हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 314, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 3 मई, 2022 दिन मंगलवार | गाजीपुर/वाराणसी

अब... लू की मार, उत्तर भारत में पारा 50 डिग्री से ऊपर पहुंचेगा, केंद्र ने बचाव के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

प्रचंड गर्मी ने उत्तर भारत में 122 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के बाद अब देश में लू के प्रकोप को झेलने को तैयार रहना होगा। हालात के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिशा निर्देश जारी की है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने एडवाइजरी में नागरिकों को बताया है कि लू से बचाव के लिए और लू लगने की स्थिति में क्या करें, क्या न करें। साथ ही राज्य सरकारों को लू के मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों के लिए प्रचंड गर्मी से राहत रहेगी, लेकिन उसके बाद पारा फिर से चढ़ेगा। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, आईएमडी ने उत्तर भारत में इस बार तापमान 50 डिग्री से ऊपर पहुंचने का अनुमान लगाया है।

केंद्र सरकार की ये एडवाइजरी ऐसे समय आई है, जब प्रचंड गर्मी ने उत्तर भारत में 122 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, अप्रैल में उत्तर-पश्चिमी इलाकों में औसत अधिकतम तापमान 35.90 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मध्य भारत में ये 37.78 डिग्री रहा। जो पिछले 120 सालों में सबसे ज्यादा है। पारे ने अप्रैल में ही कई जगह 47 डिग्री का स्तर छू लिया है। दिल्ली की गर्मी में 72 साल का रिकॉर्ड झुलस गया है। इसकी प्रमुख वजह जलवायु परिवर्तन और बारिश में बेहद कमी बताई जा रही है। 1 मार्च से 30 अप्रैल के बीच पूरे देश में 32 फीसदी तो उत्तर पश्चिम भारत में 86 फीसदी तक कम बारिश हुई। खबरों के मुताबिक, गर्मी के इन्हीं तेवरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिशा निर्देश जारी करके लोगों को आगाह किया है। सलाह दी गई है कि तेज गर्मी खासकर दोपहर को 12 से 3 बजे के बीच बाहर न निकलें। जरूरी हो तो छाता लेकर जाएं या सूरज की सीधी रोशनी से बचने के लिए टोपी, तौलिया, गमछा आदि से अच्छी तरह ढककर रहें। नंगे पैर धूप में न निकलें। प्यास न होने पर भी पानी पीते रहें। ओआरएस आदि लें। मौसमी फल-सब्जियां खाएं। शराब से दूर रहें। सरकार ने कहा है कि नवजात और छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, दिमागी तौर पर परेशान लोगों और बाहर खुले में काम करने वालों को लू लगने का ज्यादा खतरा है। चक्कर आना, हाथ एड़ी व टखने में सूजन, मांसपेशियों में कमजोरी, अकड़न, 104 डिग्री फॉरेनहाइट से ज्यादा बॉडी टेम्परेचर, मिचली उलटी आना, धड़कन बढ़ना, सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षणों को मेडिकल इमरजेंसी माना जाना चाहिए। छोटे बच्चों में खाना खाने से अरुचि, बेहद चिड़चिड़ापन, पेशाब में कमी, आलस, सुस्ती और आंखों में आंसू सूखने को खतरनाक लक्षण करार दिया गया है। कहा गया है कि अगर लू लगने के गंभीर लक्षण दिखें तो 108/102 हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्य सरकारों से कहा है कि स्वास्थ्य केंद्रों में 4फ्लूइड, ओआरएस, आइसपैक, ठंडे पानी के अलावा आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराएं। संवेदनशील क्षेत्रों में पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो। चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों और जमीनी कार्यकताओं को उचित जानकारी देकर अलर्ट रखा जाए।

एयर टबुर्लेंस का शिकार हुआ स्पाइसजेट का विमान, 40 यात्री घायल, 10 की हालत गंभीर

नई दिल्ली। स्पाइसजेट की मुंबई-दुर्गापुर उड़ान को हवाईअड्डे पर उतरते समय रविवार को एक बेहद टबुर्लेंस का सामना करना पड़ा। टबुर्लेंस इतना तेज था कि विमान में सवार 40 यात्री घायल हो गए, इनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जाती है। बोइंग बी737-800 विमान सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा और घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। दुर्गापुर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया एयरक्राफ्ट वीटी-एसएलएच को उतरने के दौरान गंभीर टबुर्लेंस का सामना करना पड़ा। विमान दुर्गापुर में सुरक्षित रूप से उतरा, हालांकि कुछ यात्रियों के घायल होने की सूचना थी। उनके आगमन पर तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक अधिकारी ने कहा करीब 14 यात्री और एक केबिन क्रू घायल हो गया। कुछ घायल लोगों के सिर में चोट लगी है और उन्हें टांके लगे हैं। एक यात्री ने रीढ़ की हड्डी में चोट की शिकायत की है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुए कहा कि एयरलाइन ने सुनिश्चित किया कि दुर्गापुर पहुंचने पर घायल यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए। स्पाइसजेट ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर खेद व्यक्त किया और घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान कर रही है।

किसी को जबरन नहीं लगा सकते कोरोना टीका : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन लगवाने से देश में बहुत से लोग हिचक रहे हैं। ऐसे भी कई मामले सामने आए हैं, जब स्वास्थ्यकर्मियों से लोग टीका न लगवाने को लेकर झगड़ते दिखे। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कहा है कि किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती टीका नहीं लगाया जा सकता। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति पर टीका लगवाने के लिए दबाव नहीं डाला जा सकता। अदालत ने कहा कि कुछ राज्यों और संगठनों ने टीका न लगवाने वाले लोगों के पब्लिक प्लेस पर आने पर पाबंदिया लगाई हैं। ये पाबंदियां ठीक नहीं हैं और मौदूदा स्थिति में इन्हें वापस लिया जाना चाहिए।

इसके साथ ही अदालत ने केंद्र सरकार को यह भी आदेश दिया है कि वैक्सीन लगवाने से होने वाले साइड-इफेक्ट्स के बारे में भी बताए। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार को लोगों को यह बताना चाहिए कि टीका लगवाने के बाद क्या गलत लक्षण दिख सकते हैं और इससे क्या नुकसान होने की शंकाएं हैं। कोरोना टीका लगवााने की अनिवार्यता वाले कुछ फैसलों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी कहा कि केंद्र

सरकार की वैक्सीनेशन की पॉलिसी गलत या मनमानी नहीं है। कोर्ट ने कहा कि देश में जिस तरह से कोरोना वायरस का खतरा पैदा हुआ था, उस स्थिति में वैक्सीनेशन की पॉलिसी ठीक थी। लेकिन किसी पर भी टीका लगवाने के लिए दबाव नहीं डाला जा सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के समक्ष जो तथ्य रखे गए हैं, उससे पता चलता है कि ज्यादातर एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वैक्सीनेशन के चलते कोरोना के खतरे को रोका जा सकता है। मृत्यु दर कम की जा सकती है और नए वैरिएंट्स को उभरने से भी रोका जा सकता है। ऐसी स्थिति में अदालत केंद्र सरकार की मौजूदा वैक्सीनेशन पॉलिसी को लेकर सहमत है और वह मनमानी नहीं लगती है। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार से भी कहा कि वह लोगों को यह भी बताए कि टीका लगवाने के क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं। अदालत ने कहा, केंद्र सरकार या फिर राज्यों की ओर से ऐसा कोई डेटा नहीं रखा गया है कि टीका न लगवाने वाले लोगों से कैसे संक्रमण बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में टीका न लगवाने वाले लोगों के निकलने पर पाबंदियां फिलहाल ठीक नहीं लगती हैं।

कुमार विश्वास की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान को लेकर कुमार विश्वास को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने विश्वास की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। उन पर पंजाब के रोपड़ में केस दर्ज हुआ था। विश्वास पर आरोप है कि उन्होंने केजरीवाल के खालिस्तान से संबंध के गलत आरोप लगाए थे। कुमार विश्वास ने याचिका दायर करके कहा था कि उनके खिलाफ दर्ज मामला कानून की प्रक्रिया का सरासर दुरुपयोग और राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से जांच एजेंसी आगे बढ़ रही है, उससे स्पष्ट है कि वह ऐसी प्रक्रिया अपनाकर याचिकाकर्ता की स्वतंत्रता को कम करने की कोशिश कर रही है, जिसका कानून से कोई लेना देना नहीं है। पंजाब में रूपनगर के सदर थाने में 12 अप्रैल को विश्वास के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

मुख्यमंत्री योगी का अफसरों को निर्देश- ईद व अक्षय तृतीया पर सड़कों पर ना हो कोई आयोजन

लखनऊ। तीन मई को एक साथ तीन पर्व पड़ने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी बेहद गंभीर है। अक्षय तृतीय, ईद तथा परशुराम जयंती के दौरान मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को प्रदेश में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना पर सख्ती करने का

निर्देश दिया है। टीम-09 के साथ समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अफसरों को सभी धर्मगुरुओं से वार्ता का निर्देश देने के साथ ही कहा है कि अफसर देखें कि कहीं पर भी सड़क रोककर धार्मिक आयोजन ना हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन मई को ईद, परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया का पावन पर्व है। प्रदेश में वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस तथा प्रशासन को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हो इसके लिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार सभी जरूरी प्रयास करें। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रम, पूजा-पाठ आदि निर्धारित स्थान पर ही हों। सभी जगह धर्मगुरुओं से संवाद बना कर सुनिश्चित करें कि सड़क मार्ग तथा यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और ईद के अवसर पर प्रदेश में बिजली आपूर्ति सुचारू रखें। कहीं पर भी अनावश्यक कटौती न हो। इसके साथ ही उनका निर्देश है कि सभी धर्मिक स्थलों के आसपास स्वच्छता, पेयजल आदि के प्रबंध किए जाएं। लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश में सांप्रदायिक माहौल काफी बेहतर बना है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश में हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हो। उसी का परिणाम है कि प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। एडीजी ला एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि कल प्रतिबंधित पशुओं के आवागमन पर रोक रहेगी। किसी भी धर्मग्रंथ से बेअदबी पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में धार्मिक स्थलों से 60150 लाउडस्पीकर हटाए गए हैं। इसके साथ 2846 संवेदनशील स्थानों को चिन्हित किया है। प्रदेश में 46 कंपनी पीएसी तथा पैरामिलिट्री समेत फोर्स तैनात है।

खुद की पार्टी बनाएंगे प्रशांत किशोर बिहार से कर सकते हैं शुरूआत

नई दिल्ली। कांग्रेस के साथ चर्चा असफल होने के बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने नई सियासी पारी के संकेत दिए हैं। सोमवार को उन्होंने ट्वीट के जरिए अपने एक दशक के अनुभव का जिक्र किया और बिहार से नई 'शुरूआत' करने की बात कही है। अप्रैल में कांग्रेस में शामिल होने को लेकर चली लंबी बैठकों के बाद किशोर ने जानकारी दी थी कि उन्होंने पार्टी की पेशकश को ठुकरा दिया है। उन्होंने सोमवार को ट्वीट किया, 'लोकतंत्र में सार्थक भागीदार बनने और जन समर्थक नीति को आकार देने की खोज की 10 साल की यात्रा हो गई है। अब मैं नई शुरूआत करता हूं, यह असल काम करने, लोगों तक जाने, मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और 'जन सुराज' की राह पर जाने का समय है।' उन्होंने ट्वीट के अंत में लिखा, 'शुरूआत बिहार से।' उनके इस ट्वीट से अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी और दल के लिए रणनीति बनाने की बजाय वह एक अलग राजनीतिक दल का गठन कर सकते हैं। कहा यह भी जा रहा है कि ट्वीट में उन्होंने जो जन सुराज लिखा है, वही उनकी नई पार्टी का नाम भी हो सकता है। सूत्रों के अनुसार प्रशांत किशोर की पार्टी पूरी तरह से आधुनिक होगी। डिजिटल माध्यम से लोगों से जुड़ने पर ज्यादा फोकस करेगी, जिसमें प्रशांत किशोर महारत भी रखते हैं। इससे पहले प्रशांत किशोर भाजपा, जदयू, टीएमसी, कांग्रेस समेत कई पार्टियों के लिए चुनावी रणनीतिकार के तौर पर काम कर चुके हैं। गौरतलब है कि पीके ने पहले ही ऐलान किया था कि वह 2 मई तक अपने भविष्य के बारे में फैसला लेंगे। उनके इस ट्वीट को उनके सियासी भविष्य का ऐलान ही माना जा रहा है। खास बात है कि किशोर की तरफ से यह घोषणा कांग्रेस का ऑफर मना करने के एक हफ्ते बाद आई है। अटकलें लगाई जा रही थी कि इस बार कांग्रेस और किशोर साथ आने में सफल हो जाएंगे, लेकिन नतीजा विपरीत निकला।

मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, 'समान नागरिक संहिता' पर चल रही बहस देश के लिए देगी सकारात्मक परिणाम

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि देश में समान नागरिक संहिता पर चल रही बहस देश के लिए सकारात्मक और रचनात्मक परिणाम देगी। उन्होंने कहा कि नकारात्मक और सकारात्मक ही दो परिणाम हैं, अच्छी बात यह है कि बहस हो रही है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि समान नागरिक संहिता हमारे संवैधानिक अधिकारों के साथ हमारी जिम्मेदारियों में से एक है। आज जब हम स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, यह विषय राष्ट्रीय बहस के रूप में उभरा है। बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं और बहुत से लोग नहीं करते हैं। लोग अपनी राय सामने रख रहे हैं, या तो सकारात्मक या नकारात्मक लेकिन चर्चा जारी है। मुझे यकीन है कि देश इस राष्ट्रीय बहस से सकारात्मक और रचनात्मक परिणामों का अनुभव करेगा। इसके साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि

बहुविवाह की प्रथा को समाप्त करने के लिए देश में समान नागरिक संहिता लागू की जानी चाहिए। सरमा ने आगे कहा कि अगर समान नागरिक संहिता लागू नहीं की जाएगी तो हमारे समाज में बहुविवाह प्रणाली जारी रहेगी जहां एक पुरुष महिलाओं, हमारी माताओं, बहनों के मौलिक अधिकारों का हनन करते हुए 3-4 बार शादी करता है। हमारे मुस्लिमों के अधिक से अधिक हित के लिए समान नागरिक संहिता लागू की जानी चाहिए। लड़कियों और महिलाओं की भलाई के लिए पुरुष बहुविवाह में शामिल न हो। असम के मुख्यमंत्री के बयान को प्रोत्साहित करते हुए नकवी ने कहा कि समान नागरिक संहिता एक रचनात्मक बहस है और सकारात्मक और नकारात्मक चर्चा का एक हिस्सा है। बात यह है कि बहस होनी चाहिए। लोगों को इस विषय पर अधिक सकारात्मक बहस करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यूसीसी को दुनिया में पहली बार पेश नहीं किया जा रहा है, हमारे संविधान निमार्ताओं ने कहा कि हमें यूसीसी को अपनाने की ओर बढ़ना चाहिए।

रिकॉर्ड आपूर्ति के बाद भी संकट कोल इंडिया ने कोयला के लिए लिखा पत्र

नई दिल्ली। गर्मी बढ़ने और कोयला संकट से देश के कई राज्यों में लोगों को बिजली कटौती से जूझना पड़ रहा है। सरकारी आंकड़ों को देखें तो पिछले एक महीने में मांग और आपूर्ति में अंतर करीब 13 गुना बढ़ा है। इसी वजह से रिकार्ड आपूर्ति के बाद भी बिजली की कमी पूरी नहीं हो पा रही है। हालात को देखते हुए, कोल इंडिया के चेयरमैन ने अपने कर्मचारियों को पत्र लिखकर हर हाल में कोयला आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक अप्रैल को बिजली की उच्चतम मांग और आपूर्ति के बीच 810 मेगावाट की कमी थी। पर, महीने के आखिरी सप्ताह में यह कमी बढ़कर 10778 मेगावाट यानी 10.77 गीगावाट तक पहुंच गई। हालांकि, शनिवार को मांग और आपूर्ति के अंतर में कुछ कमी रही। शनिवार को व्यस्त समय में बिजली की मांग और आपूर्ति में अंतर 5.12 गीगावाट था। इसी वजह से कुछ राज्यों में कटौती थोड़ी कम हुई। बीते सप्ताह देश में बिजली की आपूर्ति रिकॉर्ड स्तर तक पहुंची। सरकार के मुताबिक, 29 अप्रैल को 207.11 गीगावाट बिजली की आपूर्ति की गई जबकि मंगलवार को यह 201.65 गीगावाट थी। ऊर्जा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि गर्मी और औद्योगिक उत्पादन बढ़ने से बिजली की मांग बढ़ी है। ऐसे में तापमान बढ़ता है, तो मांग एकदम फिर बढ़ेगी। इसलिए सरकार को थर्मल पावल प्लांट में कोयले की आपूर्ति को सुनिश्चित करना होगा क्योंकि मई में बिजली की मांग 215-220 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इससे संकट और बढ़ेगा। कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने कर्मचारियों को पत्र लिखकर कहा है कि हमारी प्राथमिकता है कि बिजली की कमी के बीच थर्मल पावर प्लांट के पास घरेलू ईंधन का पर्याप्त भंडार हो।

पीएम मोदी का दौरा भारत जर्मन रिश्तों को रिबूट करने का मौका

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बर्लिन में हैं। वही शहर, वही होटल, कमरे की खिड़कियों से दिखता वही पूरब पश्चिम विभाजन का प्रतीक ब्रांडेनबुर्ग गेट। लेकिन इस बार प्राथमिकताएं अलग हैं, मोदी के सामने चुनौतियां अलग हैं। भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार 2014 में जर्मनी आए थे। उस समय वह नए थे और जर्मनी की चांसलर अंगेला मैर्केल विश्व मंच पर स्थापित राजनेता। पारस्परिक संबंधों के हिसाब से जर्मनी भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है, इस लिहाज से यह यात्रा महत्वपूर्ण थी। भारतीय प्रधानमंत्री को ब्राजील भी जाना था और वह वहां जाते हुए इस बार फ्रैंकफर्ट के बदले बर्लिन में रुके ताकि जर्मन चांसलर से मिल सकें। इस दौरे पर अंगेला मैर्केल से नरेंद्र मोदी की मुलाकात नहीं हुई, लेकिन ब्रांडेनबुर्ग गेट ने उन्हें पूरब और पश्चिम के बंटवारे का अहसास जरूर कराया। कभी जो दीवार पूर्वी और पश्चिमी यूरोप को अलग करती थी, उसके नीचे से पैदल गुजरना प्रधानमंत्री के लिए एक नई आजाद दुनिया का अहसास था। वह भारत को भी इसका हिस्सा बनाना चाहते थे। ब्राजील में हो रहे फुटबॉल विश्वकप ने प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारी करने वाले अधिकारियों की मंशा और लक्ष्यों पर पानी फेर दिया था। इस यात्रा पर जिस दिन मोदी बर्लिन पहुंचे, उसके एक दिन पहले चांसलर मैर्केल ब्राजील के लिए निकल गईं, जहां उनके देश की टीम मेजबान ब्राजील की टीम को हराकर विश्वकप के फाइनल में पहुंच गई थी। जर्मनी का मुकाबला लैटिन अमेरिका के

ही अर्जेंटीना की टीम से था, जो फुटबॉल के देवता मैरादोना की वजह से जाना जाता है। फुटबॉल की जगह जर्मनी में लगभग वही है जो भारत में क्रिकेट की है। आम राजनीतिज्ञ भले ही फुटबॉल की राजनीति से दूर रहते हों, लेकिन संसद और विधानसभा हो या स्थानीय निकाय, किसी भी चुनाव क्षेत्र की राजनीति की कल्पना फुटबॉल राजनीति के बिना नहीं की जा सक ती। फिर चांसलर राष्ट्रीय टीम के गौरव में भागीदार होने की कोशिश क्यों न करतीं? तो नरेंद्र मोदी बर्लिन में थे और बर्लिन में रहने वाली अंगेला मैर्केल ब्राजील में। और जब तक मोदी ब्राजील पहुंचते, मैर्केल वापस बर्लिन में। इस दौरे की तैयारियों ने यह भी दिखाया कि भारतीय अधिकारी विदेशी संवेदनाओं पर कितना कम ध्यान देते हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री को भी फाइनल मैच देखने के लिए न्यौता भी दिया था, लेकिन वहां डिल्मा रूशेफ के अलावा मैर्केल और ब्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे, लेकिन मोदी नहीं पहुंच पाए। फुटबॉल की दुनिया के महत्वपूर्ण देशों के लिए फाइनल तक पहुंचना बड़े सम्मान की बात होती है। हालांकि ब्राजील सेमी फाइनल में जर्मनी से बुरी तरह हार गया लेकिन उम्मीदें तो जीत की ही थीं। नरेंद्र मोदी ने विश्व कप के बाद हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में भाग लिया, जो साझा हितों के अभाव में और भारत चीन विवादों के बाद बस एक क्लब जैसा होकर रह गया है। जर्मनी के साथ दोस्ती बढ़ाने की कोशिश शुरूआत भले ही मनचाही न रही हो, लेकिन अंगेला मैर्केल ने मनमोहन सिंह के दिनों में बने संबंधों को नरेंद्र मोदी के साथ भी जोड़ने की कोशिश की। मोदी अगले साल फिर जर्मनी आए।

जाति को लेकर विवाद 17 वर्षीय छात्र की मौत 3 छात्रों पर मामला दर्ज 2 शिक्षक निलंबित

चेन्नई। तिरुनेलवेली जिले के स्कूल में 17 वर्षीय छात्र की अपने कुछ सहपाठियों के साथ जाति को लेकर हुए हिंसक विवाद में मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने 3 छात्रों पर मामला दर्ज कर 2 शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। कथित तौर पर पीड़ित सेल्वा सूर्या का 26 अप्रैल को एक अन्य छात्र के साथ विवाद हुआ, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि छात्रा को अपनी कलाई में एक निश्चित जाति को दशार्ने वाला धागा या बैंड पहना हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सूर्या की जिस छात्र से लड़ाई हुई वह उसका जूनियर है, और दलित समुदाय से आता है। सूर्या और जूनियर छात्र के बीच का मौखिक विवाद हिंसक झड़प में तब्दील हो गया, जब दोनों तरह से संबंधित समुदायों के 2-2 लड़के झगड़े में पड़े। इसी दौरान सूर्या की कनपटी पर एक पत्थर मार दिया गया। शिक्षकों के हस्तक्षेप के बाद झगड़ा शांत हो गया। 17 वर्षीय सेल्वा सूर्या स्कूल के बाद घर गया। रात में तेज दर्द उठने पर सूर्या अस्पताल ले जाया गया। तिरुनेलवेली मेडिकल अस्पताल में पीड़ित का ऑपरेशन हुआ, लेकिन शनिवार को उसकी मौत हो गई। लड़के की मौत के बाद, अंबासमुद्रम पुलिस ने एफआईआर में हत्या से संबंधित धाराओं को शामिल कर मामले की जांच के लिए टीम गठित की। पीड़ित सूर्या के 3 जूनियर्स को हिरासत में लिया गया है और अन्य आरोपों के साथ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। तमिलनाडु के कुछ क्षेत्रों में जाति बैंड पहनने वाले छात्र एक नियमित दृश्य बन गए हैं, जहां वे अपने समुदाय के सदस्यों की पहचान के लिए रंगीन बैंड का उपयोग करते हैं। जिला कलेक्टर ने 2015 में शैक्षिक परिसरों में रंगीन रिस्टबैंड और अन्य वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिनका उपयोग जाति की पहचान के लिए किया जा सकता है।

चिंतन मनन

शिवसेना की काट राज

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की औरंगाबाद रैली को लेकर राजनीतिक गलियारों में एक अहम सवाल यह है कि क्या भाजपा आगामी बीएमसी चुनावों के लिए मनसे के साथ गठजोड़ करेगी। दोनों पार्टियां अपनी बढ़ती नजदीकियों के संकेत दे रही हैं, वहीं इस बात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है कि वे गठबंधन करेंगे या नहीं और करेंगे तो कब। फिलहाल अभी तो राज ठाकरे औरंगाबाद रैली को लेकर चर्चा में हैं। मराठवाड़ा सांस्कृतिक मंडल मैदान पर आयोजित रैली में करीब तीन दशक पहले हुए दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की रैली की झलक दिखी है। साल 1988 में बाल ठाकरे ने भी औरंगाबाद में कार्यक्रम किया था। उन्होंने भी हिंदुत्व कार्ड को खेलने के लिए इस मंच का इस्तेमाल किया था। उन्होंने जनता से खान (मुस्लिम) और बाण (शिवसेना का चिन्ह) चुनने का ऐलान किया था। 1980 के समय तक बाल ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना ने खुद को मुंबई, ठाणे में मजबूत बना दिया था। वहीं, मराठवाड़ा क्षेत्र में पैर जमाने में औरंगाबाद रैली ने काफी मदद की थी। औरंगाबाद रैली ने शिवसेना को मुंबई के बाहर हिंदुत्व की राजनीति फैलाने में मदद की। अब 34 साल बाद मनसे ने भी इसी शहर और मैदान का चुनाव किया। राज ठाकरे औरंगाबाद में मस्जिदों में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल के विरोध में एक रैली करने करने के बाद अब 3 मई से पहले राज्य भर की मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को एक अल्टीमेटम भी दिया है। ऐसा नहीं होने पर मनसे कार्यकताओं को सड़कों पर उतरने और मस्जिदों के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए कहा है। हाल के महीनों में राज्य के भाजपा नेताओं को कई मौकों पर राज ठाकरे के साथ देखा गया है। पिछले नवंबर में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस अपनी पत्नी अमृता के साथ मुंबई के दादर में अपने नए घर में राज ठाकरे द्वारा आयोजित लंच में शामिल हुए थे। भाजपा ने स्पष्ट रूप से गठबंधन के सवाल पर वेट एंड वॉच का रुख अपनाया है। यहां तक कि पार्टी मनसे को मजबूत करने के लिए कदम उठा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह राज्य में शिवसेना के वोट बैंक में सेंध लगा सके। भगवा पार्टी द्वारा अपनाई गई दोतरफा रणनीति मनसे प्रमुख को हिंदुत्व नेता के रूप में प्रचारित करना है। इसे एक कथा के माध्यम से सुगम बनाना है कि उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना ने कांग्रेस के साथ हाथ मिलाकर सत्ता के लिए अपनी हिंदुत्व विचारधारा से समझौता किया है। इस प्रकार राज ठाकरे को नए हिंदुत्व नेता के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो ऐसे शिवसैनिकों को एक वैकल्पिक मंच प्रदान कर सकता है जो सेना की विचारधारा के कथित कमजोर पड़ने से असंतुष्ट हो सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इसकी सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। इस मेकओवर के हिस्से के रूप में संगठन ने पहले अपना झंडा बदल दिया। इसे पूरी तरह से भगवा रंग में बदल दिया ताकि हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया जा सके। मनसे भी उत्तर भारतीय विरोधी होने की अपनी पुरानी छवि को तोड़ने की कोशिश कर रही है। इस संबंध में एक महत्वपूर्ण कदम अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर की उनकी योजनाबद्ध यात्रा है, जिसके बाद आदित्यनाथ के साथ राज ठाकरे की बैठक होगी। कुल मिलाकर लगातार गिरते प्रदर्शन से मनसे का भविष्य खतरे में दिख रहा है। अब देखना यह होगा कि राज ठाकरे मनसे को बचाने को और अपना राजनीतिक भविष्य तय करने के लिए कौन सी रणनीति और रास्ता अख्तियार करते हैं।

मर्जी से लगवाएं!

बाध्य नहीं है कोई ।
मर्जी से लगवाएं ।।
परेशान ना करना ।
ऐसे ये अपनाएं ।।
अपने-अपने मन पर ।
है सबका अधिकार ।।
कार्यशैली ऐसी हो ।
लगे कि है सत्कार ।।
राह नहीं आसान पर ।
होगा लड़ना संग ।।
हो ऐसा व्यवहार ।
बनी रहे उमंग ।।
फैसले का स्वागत ।
और बने सम्मान ।।
बनना है यदि हमको ।
आगे भी महान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

क्रुद्ध तान के कवि बालकृष्ण शर्मा नवीन - डॉ.आरसी पांडेय

अंग्रेजी राज के प्रति क्रुद्ध तान में आवाज बुलंद करने वाले कवि बालकृष्ण शर्मा नवीन की कविताओं में राष्ट्रीयता का ओजस्वी रूप स्पष्ट दिखलाई पड़ता है।नवीन का जन्म 8 दिसंबर 1897 ई. में ग्वालियार के भयाना नमक गांव में एक अत्यंत निर्धन परिवार में हुआ था।कहा जाता है कि उनकी विपन्नता का आलम यह रहा कि मजबूर माता को बालकृष्ण को गायों के बाड़े में जन्म देना पड़ा।भीषण आर्थिक तंगी से गुजरने के बावजूद राष्ट्र भक्ति इस कदर प्रबल थी कि जब उन्हें पता चला कि 1916 में कांग्रेस का अधिवेशन लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है तो उन्होंने जैसे-तैसे कुछ रुपए जुटाए और कंधे पर कंबल व हाथ में लाठी लेकर नंगे पांव ही लखनऊ चल दिए।वहां उनकी मुलाकात लोकमान्य बालगंगाधर तिलक,गणेशशंकर विद्यार्थी,माखनलाल चतुर्वेदी व मैथिलीशरण गुप्त से हुई।सन 1817 ई.में हाई स्कूल की परीक्षा पास करने के बाद वे गणेश शंकर विद्यार्थी के बुलावे पर कानपुर चले गए।जहां वे 'प्रताप' पत्रिका के संपादन में हाथ बंटाने लगें।गणेश शंकर विद्यार्थी ने क्राइस्ट चर्च कॉलेज में उनका दाखिला करा दिया और 20 रुपए प्रति माह का एक ट्यूशन की भी व्यवस्था कर दी ताकि उनकी जीविका अच्छे से चलती रहे।सन 1920 ई. में गाँधी जी के आह्वान पर वे अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर सत्याग्रह आंदोलन में शामिल हो गए।उन्होंने 'प्रताप' व 'प्रभा' नामक पत्रिका का संपादन भी किया।वह एक निर्भीक पत्रकार,कवि, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व कुशल राजनीतिज्ञ भी थे।उनके विषय मे बच्चन जी ने कहा है कि नवीन जी एक ऐसे हीरे थे जो जिंदगी भर बिना मोल बिकते रहे। राष्ट्रीय आंदोलन में सहभागिता की वजह से उन्हें 1921 ई. में पहली बार प्रयाग में गिरफ़्तार किया गया।उन्हें कुल 6 बार जेल की यात्राएं करनी पड़ी।उनके जेल के साथियों में जवाहरलाल नहरू,पुरुषोत्तमदास टंडन व देवदास गाँधी थे।उनका अधिकतर समय जेल में बीता जहां अधिकतर कविताओं की रचना की।आजादी के बाद वे संविधान परिषद के सदस्य मनोनीत हुए व पहले आम चुनाव में कानपुर से लोक सभा सदस्य निर्वाचित हुए।बालकृष्ण शर्मा नवीन 1955 में भाषा आयोग के वरिष्ठ सदस्य बने तथा 1957 व 1960 में राजयसभा सदस्य चुने गए। साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में 1960 में उन्हें पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया। 29 अप्रैल 1960 ई. को इनका देहावसान हो गया। 1936 ई. में इनका प्रथम काव्य संग्रह 'कुमकुम' प्रकाशित हुआ जिसमें संकलित 'विप्लव गायन' कविता से इन्हें क्रांतिकारी ख्याति मिली।इस कविता में ब्रिटिश शासन को उखाड़ फेंकने के लिए हिंदी कवियों से क्रांति के गीत लिखने का आह्वान किया गया है। कवि ने ब्रिटिश साम्राज्यवाद को चेतावनी देते हुए लिखा कि 'सावधान !मेरी वीणा में/चिंगारियां आन बैठी हैं/टूटी हैं मिजराबें,अंगुलियां/दोनों मेरी ऐंठी हैं। कहना न होगा की यह स्वतंत्रता की चिंगारी है।जो गुलामी की बेड़ियों का नाश करेगी। इसलिए कवि ने कहा कि मेरे कंठ से अब मधुर गीत नहीं बल्कि क्रांति के गीत निकलेंगे।कवि के ज्वलंत गायन स्वर से समाज के विकास में बाधक देशी रूढ़ियां व विदेशी सत्ता सब कुछ नष्ट - भ्रष्ट हो जाएगी।ब्रिटिश सत्ता व शोषणकारी व्यस्था का खात्मा कर परिवर्तन का आह्वान किया गया है।कवि ने स्पष्ट कहा कि अब कवियों को मन को शांत व अभिभूत करने वाले गीत लिखने की आवश्यकता नहीं है बल्कि जन जागृति करने वाले गीत की जरूरत है।जो गीत लोगों के मन मे स्वतंत्रता की ऊर्जा भर सके।जिस गीत से जन मन में स्वाधीनता व स्वाभिमान जग सके।आजादी की लड़ाई में साहित्यकारों को अपनी भूमिका निर्वहन के लिए सजग किया गया है। कवि नवीन ने अपने समकालीन कवियों से यह अपील की कि 'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ/जिससे उथल पुथल मच जाए/एक हिलोर उधर से आए/एक हिलोर उधर से आए'।कहना न होगा 'विप्लव गायन' कविता पराधीन भारतीयों के मन में उपजे क्षोभ की अभियक्ति है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)
मोबाइल नबर 7895929328

इन "दरुओं" के बारे में "सरकार" नहीं सोचेगी तो कौन सोचेगा?

एक बात तो मानना पड़ेगी कि अपनी "मामा जी" की सरकार अपने प्रदेश के दरुयों के प्रति बेहद संवेदनशील और दया से सराबोर है, उनकी तड़फ सरकार से देखी नहीं जाती ' अभी देसी और विदेशी दारू के दामों में भारी कमी कर दी थी तो प्रदेश का बजट बिगड़ गया लेकिन दरुयों को कष्ट देने का ही तो मन नहीं होता उसका, एक तरफ दरुये हैं तो दूसरी तरफ प्रदेश का बजट, किसकी तरफ जाए सरकार, बड़ा ही उलझन भरा सवाल था मामा जी के सामने ' बड़े सोच विचार के बाद निर्णय हुआ कि देसी और विदेशी शराब के दामों में तीन रुपए की बढ़ोतरी कर दी जाये ' इधर पेट्रोल के दामों में पचास रुपयों की बढ़ोतरी हो जाती है गैस का सिलेंडर का रेट दोगुना हो गया है एक नीबू दस रुपए का मिल रहा है लेकिन दारू के दामों में कुल जमा तीन रुपए की बढ़ोतरी होने वाली है और वो भी अभी हुई नहीं है उस पर गहन सोच विचार चल रहा है कि प्रदेश के दरुयों पर इतना बोझ डालें या ना डालें, कितनी परेशानी हो जाएगी इन दरुयों को ' कितनी मेहनत से कमाते हैं और सीधे ठेके पर पंहुचते हैं , प्रदेश की आर्थिक स्थिति में इनका कितना बड़ा योगदान है ये बात अपनी सरकार अच्छी तरह से जानती और समझती है, उसे पता है कि यदि लोगों ने दारू पीना छोड़ दिया तो प्रदेश दाने दाने को मोहताज हो जाएगा क्योंकि सबसे ज्याद राजस्व तो ये दरुये ही प्रदेश के खजाने में डालते हैं अब ऐसे लोगो पर उसके दाम बढ़कर उन पर अत्याचार कैसे करे सरकार, यही सवाल तो बार बार उसके सामने आकर खड़ा हो जाता है ' दरुयों की वजह से कितने और धंधे चल रहे है पानी के पाउच पानी की बोतलें बिक रही है डिस्पोजल ग्लास की बिक्री हो रही है नमकीन बनाने वालों के लिए तो वे मसीहा है अंडो की बिक्री भी उनके कारण ही हो रही है ""आबकारी और पुलिस" डिपार्टमेंट के अफसर और कर्मचारी उनके ही बल पर लाखों कमा रहे हैं, जिस दिन दरुये दारू पीना छोड़ देंगे ये तमाम लोग सड़कों पर आ जायेंगे, सरकार को ये भी तो सोचना पड़ता है कि इतने सहायक उद्योग एकदम से बंद हो जाएंगे इसलिए वो बार बार यही सोच रही है कि तीन रुपए बढ़ाएं या ना बढ़ाएं । मामा जी की सरकार दुनिया से बुराई ले सकती है लेकिन दरुयों की नाराजगी मोल नहीं ले सकती । वैसे भी दरुये होते बड़े भोले भाले हैं कभी कीमत नहीं पूछते कि "पौआ" कितने का है "अध्धा" कितने में दे रहे हो या "बोतल" कितने की है जितना ठेकेदार कहता है उतने पैसे निकाल कर उसके हाथ में रख देते है कभी किसी ठेके में किसी दरुये को मोल भाव करते देखा है क्या किसी ने? हर दूकान में मोल भाव होता है लेकिन दरुये कभी मोल भाव नहीं करते ऐसे सज्जन और उदार हृदय वाले दरुयों के लिये यदि सरकार कुछ सोच रही है तो इसमें गलत क्या है? अपन ने तो हमेशा से एक ही सीन देखा है रेलवे में की जब भी कोई "यात्री गाड़ी" निकलती है तो "मालगाड़ी" को रोक दिया जाता है जब तक तमाम यात्री गाड़ियां पास नहीं हो जाती तब तक बेचारी मालगाडी उदास उपेक्षित सी रास्ते में कंही भी खड़ी करवा दी जाती है रास्ता देखती है कि कब ये यात्री गाड़िया निकल जाएं और कब उसे हरी झंडी दिख जाये रात हो या दिन , गर्मी हो या ठंड,या फिर मूसलाधार बरसात, मालगाड़ी का कोई ठिकाना नहीं है।

अक्षय तृतीया एवं उसे मनाने का शास्त्रीय आधार

वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया को अक्षय्य तृतीया कहते हैं। इसे व्रत के साथ त्यौहार के रूप में भी मनाया जाता है । इस दिन महिलाएं चैत्र शुक्ल तृतीया के दिन प्रतिष्ठापित चैत्र गौरी का विसर्जन करती हैं । चैत्र शुक्ल पक्ष तृतीया से वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया तक किसी मंगलवार अथवा शुक्रवार एवं किसी शुभ दिन पर वे हल्दी-कुमकुम का स्नेह मिलन करती हैं । अक्षय्य तृतीया का अनेक कारणों से महत्त्व होता है ।

अक्षय तृतीया कृतयुग अथवा त्रेतायुग का आरंभ दिन है । अक्षय तृतीया की संपूर्ण अवधि, शुभ मुहूर्त ही होती है । इसलिए, इस तिथि पर धार्मिक कृत्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पडता । इस तिथि पर हयग्रीव अवतार, नरनारायण प्रकटीकरण तथा परशुराम अवतार हुए हैं ।

इस तिथि पर ब्रह्मा एवं श्री विष्णु की मिश्र तरंगें उच्च देवता लोकों से पृथ्वी पर आती हैं । इससे पृथ्वी पर सात्त्विकता की मात्रा 10 प्रतिशत बढ जाती है । इस काल महिमा के कारण इस तिथि पर पवित्र नदियों में स्नान, दान आदि धार्मिक कृत्य करने से अधिक आध्यात्मिक लाभ होते हैं ।

इस तिथि पर देवता-पितर के निमित्त जो कर्म किए जाते हैं, वे संपूर्णतः अक्षय (अविनाशी) होते हैं ।

अक्षय तृतीया पर करने योग्य कृत्य

पवित्र जल में स्नान : इस दिन तीर्थक्षेत्र में स्नान करना

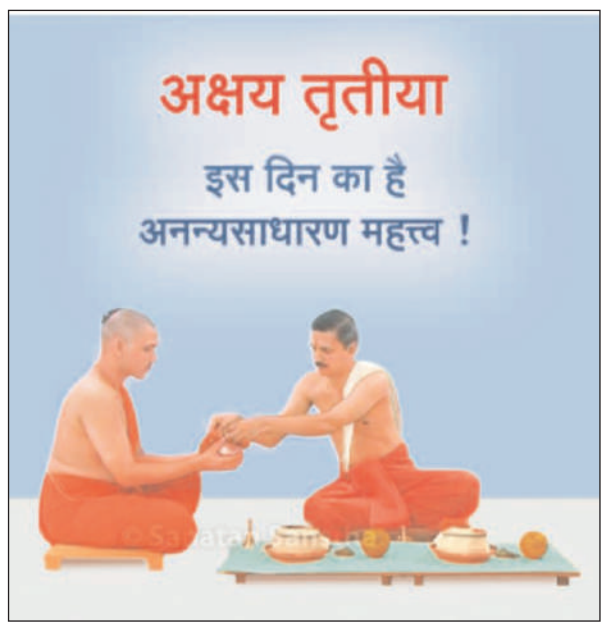

चाहिए । यदि ऐसा संभव ना हो, तो बहते जल की नदी में कहीं भी भाव रखकर स्नान करें ।

श्री विष्णु पूजा, जप एवं होम : अक्षय तृतीया के दिन सतत सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले देवता की कृतज्ञता भाव से उपासना करने पर हम पर उनकी कृपादृष्टि सदा बनी रहती है । इस दिन श्रीविष्णु सहित वैभव लक्ष्मी प्रतिमा का श्रद्धा पूर्वक तथा कृतज्ञता भाव से पूजन करना चाहिए । इस दिन होम-हवन एवं जप-तप में समय व्यतीत करना चाहिए।

अक्षय तृतीया के दिन श्री विष्णु का तत्त्व आकर्षित एवं प्रसारित करने वाली सात्त्विक रंगोलियां बनाना : इस दिन श्री विष्णु तत्त्व के स्पंदन आकर्षित एवं प्रक्षेपित करने वाली रंगोलियां बनाने से श्री विष्णु का तत्त्व ग्रहण करने में सहायता होती है।

तिलतर्पण - तिलतर्पण का अर्थ है, देवता एवं पूर्वजों को तिल युक्त जल अर्पित करना । तिल सात्त्विकता का प्रतीक है, तो जल, ब्रह्मांड के शुद्ध स्रोत का प्रतीक है ।

दान : अक्षय तृतीया पर सुपात्र दान करें ! अक्षय तृतीया पर किया हुआ दान एवं हवन अक्षय रहता है, अर्थात उनका फल अवश्य मिलता है ।

सुपात्र व्यक्ति को क्यों दान करना चाहिए ? - अक्षय तृतीया पर किए गए दान से व्यक्ति का पुण्य-भंडार बढता है । पुण्य से व्यक्ति को स्वर्ग प्राप्त होता है । परंतु भोग-भोग कर स्वर्गसुख समाप्त होने पर पृथ्वी पर पुनः जन्म लेना पडता है । मनुष्य का वास्तविक ध्येय, पुण्य अर्जित कर स्वर्गसुख भोगना नहीं, अपितु पाप-पुण्य के आगे जाकर ईश्वर को प्राप्त करना है । इसलिए, मनुष्य के लिए सुपात्र व्यक्ति को दान करना आवश्यक होता है ।

संत, धार्मिक कार्य करने वाले व्यक्ति, समाज में निःस्वार्थ भाव से अध्यात्म का प्रसार करने वाली संस्थाएं तथा राष्ट्र एवं धर्म की जागृति का कार्य करने वाले धर्माभिमानियों को धन अर्पित करना, सुपात्र दान है ।

मृत्तिकापूजन, मिट्टी को जैविक बनाना (केंचुआ उत्पन्न करना), बीज बोना एवं वृक्षारोपण : अक्षय तृतीया के मुहूर्त पर बीज बोएं ! चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि स्वयं में एक शुभमुहूर्त है । इस दिन खेत जोतना और उसकी निराई का कार्य अक्षय तृतीया तक पूरा करना चाहिए । निराई के पश्चात, अक्षय तृतीया के दिन खेत की मिट्टी की कृतज्ञता भाव से पूजा करनी चाहिए । इसके पश्चात, पूजित मिट्टी को जैविक बनाकर उसमें बीज बोएं । अक्षय तृतीया के मुहूर्त पर बीज बोने को आरंभ करने से उस दिन वातावरण में सक्रिय दैवी शक्ति बीज में आ जाती है । इससे कृषि-उपज बहुत अच्छी होती है । इसी प्रकार से अक्षय तृतीया के दिन फल के वृक्ष लगाने पर वे अधिक फल देते हैं ।

हलदी-कुमकुम : स्त्रियों के लिए यह दिन महत्त्वपूर्ण होता है । चैत्र मास में स्थापित चैत्रगौरी का इस दिन विसर्जन करना होता है । इस निमित्त वे हलदी-कुमकुम (एक प्रथा) भी करती हैं ।

संदर्भ : सनातन- निर्मित ग्रंथ त्यौहार, धार्मिक उत्सव एवं व्रत

धर्मनिरपेक्षता के मायने समझे समाज

किसी भी देश के शक्तिशाली होने के निहितार्थ होते हैं। इन निहितार्थों का मन, वाणी और कर्म से अध्ययन किया जाए तो जो प्राकट्य होता है, वह यही प्रदर्शित करता है कि सबके भाव राष्ट्रीय हों, सबके अंदर एक दूसरे के प्रति सामंजस्य भाव की प्रधानता हो, लेकिन वर्तमान में समाज के बीच सामंजस्य के प्रयास कम और समाज के बीच भेद बनाने के प्रयास ज्यादा हो रहे हैं। जिसके चलते हमारी राष्ट्रीय अवधारणाएं तार-तार होती जा रही हैं। कौन नहीं जानता कि भारतीय समाज की इसी फूट के कारण भारत ने गुलामी के दंश को भोगा था। अंग्रेजों की नीति का अनुसरण करने वाले राजनीतिक दल निश्चित ही भारत के समाज में एकात्म भाव को स्थापित करने प्रयासों को रोकने का उपक्रम ही कर रहे हैं। जो संभवतः भारत की बढ़ती शक्ति से परेशान हैं। समाज को ऐसे षड्यंत्रों को समझने का प्रयास करना चाहिए। लम्बे समय से भारत में इस धारणा को समाज में संप्रेषित करने का योजनाबद्ध प्रयास किया गया कि मुस्लिम तुष्टिकरण ही धर्मनिरपेक्षता है। इसी के कारण गंगा जमुना तहजीब की अपेक्षा केवल हिन्दू समाज से ही की जाती रही है। भारत का हिन्दू समाज पुरातन समय से इस संस्कृति को आत्मसात किए हुए है। तभी तो इस देश में सभी संप्रदाय के व्यक्तियों को पर्याप्त सम्मान दिया गया। यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी अपने आपको धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल मानती है और इन्हीं दलों ने मुस्लिम वर्ग का तुष्टिकरण करने की राजनीति की। इसके कारण देश में जिस प्रकार से वर्ग भेद खाई पैदा हुई, उससे आज का वातावरण पूरी तरह से प्रदूषित हो रहा है। अभी हाल ही में जिस प्रकार से रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्राओं पर पत्थबाजी की गई, वह देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप की परिभाषा के दायरे में बिलकुल भी नहीं आता।

दुनिया भर में लोकप्रिय, चीन में दमन का बैनर लिए, फालुन गोंग अभ्यासी 23 अप्रैल 2022 को न्यूयॉर्क परेड में भाग लेते हुए

फालुन गोंग (जिसे फालुन दाफा भी कहा जाता है) मन और शरीर का एक उच्च स्तरीय साधना अभ्यास है। जिस में 5 सौम्य और प्रभावी व्यायाम सिखाये जाते हैं, किन्तु बल नैतिक गुण साधना पर दिया जाता है। फालुन गोंग की शिक्षाएं सत्य-करुणा-सहनशीलता के नियमों पर आधारित हैं। आज दुनिया भर में 100 से अधिक देशों में 10 करोड़ से अधिक लोग फालुन गोंग का अभ्यास कर रहे हैं। भारत में भी फालुन गोंग सभी प्रमुख शहरों में लोकप्रिय हो रहा है। यह अभ्यास पूरी तरह निःशुल्क सिखाया जाता है।

फालुन गोंग की शुरूआत 1992 में श्री ली होंगजी द्वारा चीन में की गयी। इसके स्वास्थ्य लाभ और आध्यात्मिक शिक्षाओं के कारण फालुन गोंग चीन में इतना लोकप्रिय हुआ कि 1999 तक करीब 7 करोड़ से अधिक लोग इसका अभ्यास करने लगे। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (CCP) की मेम्बरशिप उस समय 6 करोड़ ही थी। चीन में फालुन गोंग की बढ़ती लोकप्रियता चीनी कम्युनिस्ट शासकों को खलने लगी। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख जियांग जेमिन (Jiang Zemin) ने फालुन गोंग की शांतिप्रिय प्रकृति के बावजूद इसे अपने प्रभुसत्ता के लिए खतरा माना और 20 जुलाई 1999 को इस पर पाबंदी लगा दी और इसके अभ्यासियों पर क्रूर दमन आरम्भ कर दिया जो आज भी जारी है। पिछले 22 वर्षों से, फालुन गोंग अभ्यासियों को चीन में यातना, हत्या, ब्रेनवाश, कारावास, बलात्कार, जबरन मजदूरी, दुष्प्रचार, निंदा, लूटपाट, और आर्थिक अभाव का सामना करना पड रहा है। अत्याचार की दायरा बहुत बड़ा है और मानवाधिकार संगठनों द्वारा दर्ज. किए गए मामलों की संख्या दसियों हजारों में है। चीन में फालुन गोंग के दमन की जांच के लिए विश्व संगठन (WOIPFG) द्वारा फालुन गोंग अभ्यासी गाओ रोंगरोंग की मृत्यु पर जारी रिपोर्ट के अनुसारः "37 वर्षीय फालुन गोंग महिला अभ्यासी गाओ रोंगरोंग की 16 जून, 2005, को शेनयांग शहर के अस्पताल में अथक यातनाओं को झेलने के बाद मृत्यु हो गई। मृत्यु से पहले, गाओ को शेनयांग लोंगशान लेबर कैंप में हिरासत में लिया गया था, जहां उसे चेहरे पर 7 घंटे बिजली का झटका दिया गया। गाओ के विकृत चेहरे की तस्वीर ने दुनिया को चौंका दिया था। प्रशासन द्वारा उसका फिर से अपहरण कर लिया गया और हिरासत में उसकी मृत्यु हो गई, क्योंकि उसकी तस्वीर को सार्वजनिक कर दिया गया था और उसकी पीड़ा दुनिया को पता चल गई थी। गाओ का मामला चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के दुष्कर्मों को उजागर करता है और लोगों की चेतना और मानवता को झकझोर देता है।" गाओ का मामला आइस-बर्ग का केवल सिरा है। 17 जून 2019, लंदन में, एक स्वतंत्र न्यायाधिकरण (ChinaTribunal.com) ने सर्वसम्मति से निष्कर्ष निकाला है कि चीन एक "आपराधिक राज्य" है जिसने मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। फालुन गोंग अभ्यासियों को उनके अंगों के लिए बड़े पैमाने पर मार दिया जाता है झ जो अब भी जारी है, और फालुन गोंग अभ्यासी अंग आपूर्ति के मुख्य स्रोत रहे हैं। इस सन्दर्भ में भारत सहित अनेक देशों में एक याचिका बहुत प्रचलित हो रही है, आप भी इस पर हस्ताक्षर कर चीन में फालुन गोंग अभ्यासियों पर हो रहे दमन को समाप्त करने में सहयोग कर सकते हैं: www.change.org/SupportFalunGongHindi

क्या आप जानते हैं?

- कागज का आविष्कार चीन के ली यैंग में रहने वाले साई लुन ने 105 ई. में पुराने काटे गए मछली पकड़ने वाले जालों से किया।
- मिस्र की नील नदी के किनारे बहुतायत में उगने वाले 'पपायरस' नामक पौधे के नाम पर 'पेपर' शब्द बना।
- 1690 में जर्मनी स्थित पेनसिल्वेनिया शहर में विलियम रिटेनहाऊस ने पहली पेपर मिल का निर्माण किया।
- पेड़ों की लकड़ी के गुद्दे से निकलने वाले सैलुलोस फाइबर से कागज बनाया जाता है।
- 793 ईस्वी में अन्य देशों को कागजा के बारे में पता चला।

मैथ्स की जानकार

आमतौर पर मधुमक्खियों को मेहनती होने के कारण जाना जाता है, लेकिन ये गणित में भी होशियार होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पता लगाया है कि मधुमक्खियां एक ही नजर में नंबरों को पहचान सकती हैं। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में पता चला है कि मधुमक्खियां दो या तीन बिंदुओं के नमूने को आसानी से पहचान लेती हैं। साथ ही अगर उन्हें थोड़ी स्कूली शिक्षा भी दी जाए, तो तीन और चार की भी पहचान कर सकती हैं। अब वैज्ञानिक इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मधुमक्खियां आधारभूत गणना कर सकती हैं। मधुमक्खियों के विभिन्न अंकों को पहचानने की क्षमता उन्हें परागों को ढूंढने में मददगार साबित हो सकती है, चाहे वे अपने छत्ते से कितनी ही दूर क्यों न हों। कबूतर, डॉल्फिन और बंदरों में भी नंबरों को पहचानने की क्षमता होती है।

पैशन का पैराशूट

आसमान में उड़ना अपने आप में एक रोमांचक अनुभव है। सदियों से मनुष्य की इच्छा आसमान में उड़ने की रही है। इसीलिए वह उड़ने की कई असफल कोशिशों के बाद आखिर उड़ने में सफल हो गया। उसने जहाज, रॉकेट आदि कई तरह के उपकरणों को बनाया। मगर खुले रूप में आसमान में उड़ने की ख्वाहिश वैसी की वैसी ही रही। आज हम आपको मानव की जिस खोज के बारे में बता रहे हैं, वह ऐसी है, जो शायद इसी ख्वाहिश को पूरा करती है। जी हां यह खोज है- पैराशूट। इसके माध्यम से खुले रूप में आसमान में उड़ने का आनंद लिया जाता है। पैराशूट के साथ उड़ने का अनुभव जहाज में उड़ने के अनुभव से बिल्कुल अलग तरह का है।

प्यारे बच्चो, आसमान में उड़ने की चाह सबके मन में होती है। आइए आज आपको पैराशूट और इससे जुड़े तथ्यों के बारे में बताएं...

आज इसके बिना वायुसेना का कोई भी पायलट जहाज में नहीं बैठता, पर आपको बता दें कि यात्री विमानों में पायलटों के लिए के लिए पैराशूट का उपयोग करना मना है।

मगर पैराशूट की खोज इतनी आसानी से नहीं हुई। इसके लिए लोगों को बहुत मेहनत करनी पड़ी। यहां तक कि कुछ लोगों को तो अपनी जान तक से हाथ धोना पड़ा। तब कहीं जाकर पैराशूट का वर्तमान स्वरूप हमारे सामने आया। मगर इस खोज पर काम करने वाले लोगों में इतना पैशन था कि वह अपने काम से पीछे नहीं हटे।

कहते हैं सबसे पहला पैराशूट इटली के प्रसिद्ध वैज्ञानिक ल्युनार्दो दसी ने आज से लगभग 500 साल पहले बनाया था, बहुत से लोगों ने इस में सुधार किए और कई नए डिजाइन के पैराशूट बनाए। 1783 में एक फ्रांसीस डॉक्टर स्वास्तिन लनारमां ने लकडी के ढांचे पर कपडा डालकर पैराशूट बनाया और इसके द्वारा एक ऊंची ईमारत से छलांग लगाई, जिसको देखकर लोग हैरान रह गए।

सन 1797 में एक अन्य फ्रांसीसी आंद्रे गार्निरन ने हवा में उड़ते हुए गुबारे पर से पैराशूट द्वारा छलांग लगाने का प्रदर्शन किया। यह कारनामा पैरिस के हजारों लोगो ने देखा। जब गार्निरन का गुब्बारा 3000 फुट की ऊंचाई पर पहुंचा, तो वह रस्सी काट दी गई, जिससे पैराशूट गुब्बारे के साथ बंधा हुआ था। रस्सी के कटते ही पैराशूट तेजी से धरती की ओर आया यह भयानक दृश्य देखकर बहुत से कमजोर लोग के स्त्री पुरुष बेहोश हो गए। लोगों का विचार था कि गार्निरन का पैराशूट नीचे गिर जाएगा और उसकी हड्डीपसली एक हो जाएगी, पर जैसे ही पैराशूट में हवा भरी गई, वह धीरे-धीरे धीमी गति से नीचे उतर आया। 24 जुलाई 1837 को रॉबर्ट काकिंग ने लन्दन के बॉक्स हाल गार्डन में पैराशूट की उड़ान का प्रदर्शन किया। उसने पैराशूट को एक गुबारे के नीचे बांधा और गुबारे को गैस द्वारा हवा में उड़ा दिया। वह स्वयं पैराशूट की टोकरी में खडा था। लोग खुशी से तालियां बजा रहे थे। पांच हजार फुट की ऊंचाई पर पहुंचकर उसने पैराशूट को गुबारे से अलग कर दिया। दुर्भाग्य से पैराशूट का लकड़ी का ढांचा हवा के दबाव से टूट गया और राबर्ट धरती पर गिरकर मर गया। पर मनुष्य हार कहां मनाता है, एक आविष्कार फेल हो जाए, तो दूसरे की खोज में लगा जाता है। वह अपनी हर असफलता से सफलता की सीढ़ी तलाश करता है। इस दुर्घटना के 15 महीने बाद ही एक अंग्रेज हेम्टन ने एक हल्का-फुल्का पैराशूट बनाया। वह इससे हवा में उड़ा और फिर एक उड़ते गुबारे से सफलता पूर्वक नीचे उतर आया।

लकड़ी के ढांचे पर कपड़ा डालकर बनाए जाते थे। फान टासल ने सूती कपड़े की एक छतरी बनाई। उसका यह पैराशूट बहुत लोकप्रिय हुआ। कुछ समय के बाद सूती कपड़े की बजाय रेशमी कपड़े का इस्तेमाल किया जाने लगा, जिससे यह अधिक मजबूत और अधिक हल्का हो गया। अमरीका का एक सैनिक कैप्टन एलबर्ट बेरी पहला व्यक्ति था, जिसने पैराशूट के द्वारा विमान से छलांग लगाई। उसका विमान 55 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ रहा था। यह घटना 1912 की है। उन दिनों जहाज की नई-नई खोज हुई थी और उसकी गति भी बहुत धीमी हुआ करती थी।

पैराशूट के द्वारा अभी तक धरती पर उतरना एक खेल ही समझ जाता था। लोगों के दिमाग में अब तक यह विचार नहीं आया था कि इससे पायलटों को भी मुसीबत के वक्त बचाया जा सकता है। सन 1914 में पहला महायुद्ध शुरू हुआ, तो उसमें बमवर्षा के लिए जहाजों का भी इस्तेमाल किया गया। इसके 21 साल बाद जब दूसरा महायुद्ध हुआ, तो इसमें जहाज चालकों ने पैराशूट का उपयोग किया और इस प्रकार हजारों पायलट मौत के मुंह में जाने से बच गए। अब पैराशूट नायलोन के बनाए जाते हैं। यह बहुत हलके-फुल्के और मजबूत होते हैं। अब इनसे कई तरह के काम लिए जाते हैं। युद्ध आदि के दौरान पैराशूट द्वारा शत्रु के प्रदेश में सेना उतारी जाती है, इसको छाता सेना कहते हैं। इसके अलावा जरूरत के समय गोला-बारूद और खाने-पीने का सामान भी पैराशूट से सेना के मोर्चों में गिराया जाता है। तेज गति से चलने वाले जहाजों को हवाई अड्डे में रोकने के लिए भी पैराशूट का उपयोग किया जाता है। जब इस प्रकार का कोई जहाज धरती पर उतरता है, तो पीछे का पैराशूट खुल जाता है और उसमें हवा भर जाती है। जिससे विमान की गति काम हो जाती है। इस तरह उसको ब्रेक लगाकर आसानी से रोका जा सकता है। अंतरिक्ष यात्री जिस कैप्सूल में बैठकर धरती पर उतारते हैं, उसमें भी पैराशूट लगा होता है। यदि यह न हो, तो कैप्सूल धरती पर गिरकर टुकड़े-टुकड़े ही हो जाए।

>> बाल कविता

चूहा और बिल्ली

इक चूहे नें बिल्ली पाली।
आधी पीली आधी काली।

पीती दूध और खाए मलाई
अच्छी लगती उसे मिठाई।

मैगी नूडल्स पिज्जा बर्गर।
बातें करती वो फर्र-फ़र्र।

करती वो दिन भर आराम।
नहीं आती वो किसी के काम।

चूहे नें कुछ दिन की सेवा।
दिया मलाई फल और मेवा।

खाकर बिल्ली हो गई मोटी।
हुई चूहे पर नियत खोटी।

पलक झपकते पकड़ के खाया
अपना ही तो दांव गंवाया।

अब न मिलती रोटी सूखी।
दिन भर रहती बिल्ली भूखी।

सूख के हो गई दुबली-पतली।
दिख गया अपना चेहरा असली।

अपनी करनी का फल पाया
बिल्ली नें सब-कुछ गंवाया।

>> जिज्ञासा

किसने बनाई कुतुबमीनार

बच्चो, कुतुबमीनार के बारे में ज्यादातर लोगों में भ्रांतियां पाई जाती हैं। इसलिए इस इस प्रश्न का उत्तर ठीक से पढ़ना जरूरी है। कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1193 में शुरू करवाया था। पर ऐबक केवल काम शुरू ही करवा सका था कि उसकी मृत्यु हो गई। इल्तुतमिश ने जो ऐबक के बाद दिल्ली की गद्दी पर बैठा, इसमें तीन मंजिलें जुड़वाईं।

फिर कुतुबमीनार में आग लगने के बाद उसका पुनर्निर्माण फिरोजशाह तुगलक के समय हुआ। इस प्रश्न का उत्तर देते समय प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले जल्दबाजी में गड़बड़ कर जाते हैं। याद रहे कि काम शुरू ऐबक ने करवाया था और पूरा करवाया इल्तुतमिश ने और 1386 में मीनार को दुर्घटना के बाद दुरुस्त करवाया फिरोजशाह तुगलक ने। कुछ इतिहासकार मानते हैं कि कुतुबुद्दीन ऐबक के नाम पर ही इस मीनार का नाम पड़ा, जबकि कुछ बताते हैं कि बगदाद के संत कुतुबद्दीन बख्तियार काकी के नाम पर इस मीनार का नाम कुतुबमीनार पड़ा। काकी बाद में भारत में आकर ही रहे। इल्तुतमिश इन्हें बहुत मानता था। 72.5 मीटर ऊंची यह मीनार यूनैस्को की विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में भी शामिल है।

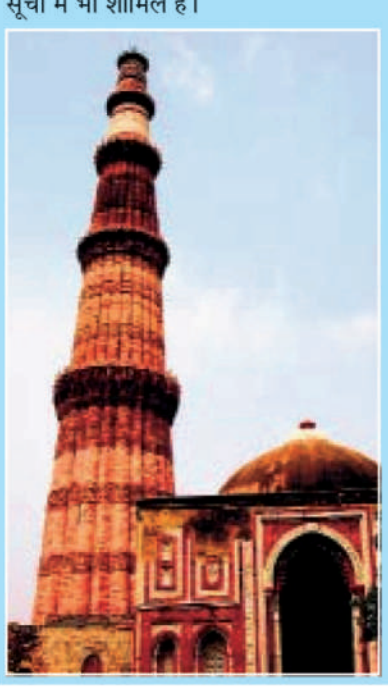

ये हमारा सौरमंडल

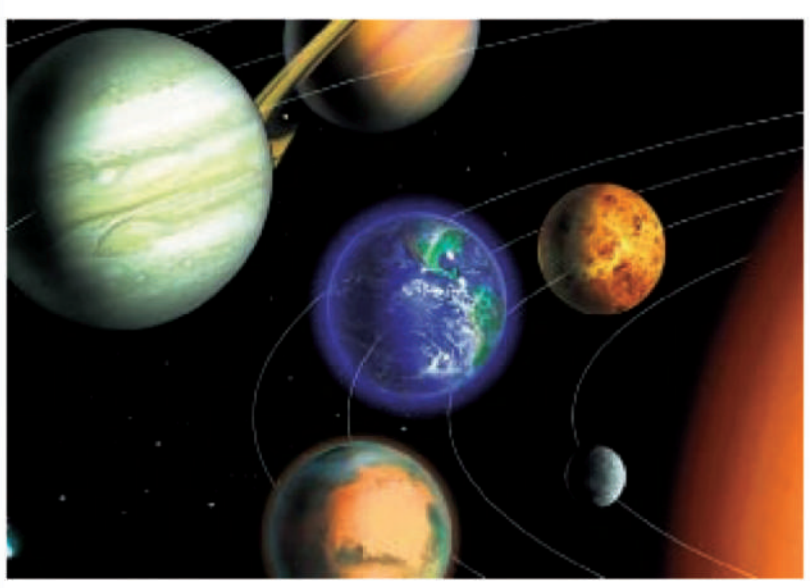

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें—

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आ सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का च कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफ़ान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

ब्रुकलिन ब्रिज

ब्रुकलिन ब्रिज न्यूयार्क की ईस्ट रिवर के आरपार बना है। किसी समय इसे दुनिया का आठवां अजूबा माना जाता था। इस पुल की संकल्पना और इसे बनाने का विचार एक दूरदर्शी इंजीनियर जॉन रोबलिंग को आया था। तब पुलों के विशेषज्ञों ने कहा था कि ऐसा पुल बनाना संभव नहीं है, लेकिन रोबलिंग का प्रोजै ट इतना बढ़िया था कि लोग उसमें पैसा लगाने को तैयार हो गए। रोबलिंग अपना सपना साकार करने में जुट गए। लेकिन परियोजना को शुरू किए अभी थोड़ा ही समय बीता था कि उनकी एक दुर्घटना में मौत हो गई।

बेटे का संकल्प

पिता की मौत के बाद वाशिंगटन ने अपने पिता के सपने को पूरा करने का बीड़ा उठाया। वह भी इंजीनियर था। लेकिन किस्मत को शायद कुछ और ही मंजूर था। यह परियोजना शुरू हुए अभी कुछ ही समय बीता था कि वाशिंगटन भी एक दुर्घटना का शिकार हो गए। ए सीडैंट में उन्हें कई चोटें आईं, जिनकी वजह से उन्हें कई महीनों तक बिस्तर पर ही रहना पड़ा।

पत्नी का साथ

वाशिंगटन के ए सीडैंट के बाद उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी आगे आई। वह केवल अपनी उंगलियां ही हिला सकते थे। वह अपनी पत्नी की बांह पर उंगलियों से अपनी बात को समझाते और इस तरह अपनी पत्नी के माध्यम से उन्होंने इंजीनियरों को संदेश भेजने शुरू कर दिए। उनकी मदद के लिए उनकी पत्नी ने भी इंजीनियरिंग की शिक्षा हासिल की। कुछ समय बाद जब वाशिंगटन बैठने के काबिल हुए, तो उन्होंने दूरबीन की मदद से पुल के काम पर नज़र रखनी शुरू कर दी।

सपना हुआ साकार

486 मीटर लंबा यह पुल उस समय का सबसे लंबा झूला पुल था। इसे बनाने में 14 साल लगे थे और जॉन रोबलिंग सहित 19 लोगों ने जान गंवाई। इस पर लागत आई थी- 1.5 करोड़ डॉलर, जोकि उस समय एक बहुत बड़ी रकम थी। यह पुल उस विश्वास की जीत थी, जो बेटे ने पिता पर और पत्नी ने पति पर किया था। उन्होंने दिखा दिया था कि इंसान अगर ठान ले, तो वह कोई भी मुश्किल काम कर सकता है। 24 मई 1883 को पुल खुलने के समय उसकी पूरी लंबाई को बिजली की रोशनियों से सजाया गया था। इस तरह यह संसार का पहला बिजली से रोशन पुल बना।

हम बताएं, आप बनाएं

मेकअप टिप्स

पार्टी टाइम नो टेंशन...!!

फ्रैंड की बर्थडे पार्टी में जाना हो और बिजी शैड्यूल के कारण पार्लर में जाने का टाइम न हो तो आप परेशान न हों, बल्कि आप घर बैठे खुद को अपने हिसाब से मिनटों में बेहतर लुक दे कर अपने फ्रैंड्स के बीच सेंटर आफ अट्रैक्शन बन सकती हैं। बस थोड़े से टिप्स को ध्यान में रखना होगा।

मेकअप से पहले क्या करें?

फेस पर इंस्टैंट ग्लो के लिए मेकअप करने से 10 मिनट पहले आप अपने चेहरे पर दही अप्लाई करें। आप को बता दें कि दही ब्लीच का काम करता है। इससे स्किन ग्लोइंग दिखने के साथ मेकअप भी काफी अच्छा रिजल्ट देता है।

❑ आप ग्लोइंग स्किन के लिए हफ्ते में 3 दिन दही में नीबू मिला कर या फिर दही में टमाटर मिला कर भी लगा सकती हैं। इस के बाद आप को मौइश्चराइजर लगाने की भी जरूरत महसूस नहीं होगी। यह प्राइमर का काम करता है।

घर पर रखें कास्मेटिक प्रोडक्ट्स

कभी भी घर में पार्टी फंक्शन हो सकता है और ऐसे में हर बार पार्लर से तैयार होना संभव नहीं होता। इसलिए आप घर पर मेकअप किट जिस में क्रीम, कंसीलर, फाउंडेशन, ब्रश,कौम्पैक्ट, आईशैडो, काजल, लाइनर, ब्लशर, लिपस्टिक, लिप पैंसिल, हेयर ऐक्सैसरीज बिंदी, नेल पौलिश वगैरा ला कर रखें ताकि आप के लिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो सके।

कैसे करें मेकअप..?

अगर स्किन ज्यादा ड्राई दिखेगी तो मेकअप इतना इफैक्टिड नहीं लगेगा इसलिए सब से पहले स्किन की ड्राईनैस को दूर करने के लिए चेहरे पर कोल्ड क्रीम अप्लाई करें। इससे स्किन की ड्राईनैस दूर होती है। फिर आंखों के नीचे कंसीलर अप्लाई करें। यह डार्क सर्किल्स को छुपाने का काम करता है। इस के बाद चेहरे पर अच्छे से फाउंडेशन लगाएं। गर्दन पर भी फाउंडेशन लगाना न भूलें। इससे नैचुरल स्किन टोन के साथ स्किन क्लीयर नजर आने लगती हैं। बेस तैयार हो जाए तो उस के बाद ब्रश की मदद से कौंपैक्ट लगाएं। यह आप को परफैक्ट लुक देने का काम करेगा।

इसके बाद आईशैडो ले कर आई मेकअप करें। आजकल स्मोकी आइज का काफी क्रेज है तो आप डार्क कलर से स्मोकी आईज के साथ आईब्रो को भी उसी से डिफाइन कर के उस पर थोड़ा गिलटर लगाएं। इसके बाद आंखों के ऊपर अपनी पसंद के अनुसार पतला या मोटा लाइनर अप्लाई करें। इससे आप की आंखें और

खूबसूरत दिखेंगी।

इस के बाद ब्लशर को नोज के पास से आईब्रो तक लगाएं और इसे अंगुलियों से अच्छे से मिलाएं। फिर ब्लशर के बाद हाईलाइटर लगाएं। इस से मेकअप थोड़ी देर बाद ग्लो करने लगता है। आखिर में बालों को अपनी पसंद के हिसाब से लुक दें।

न्यू ट्रेंड इन मेन्स

यूथ हुए फैशनेबल

टीनएज के बाद की लाइफ में आना एक नया एक्सपीरियंस होता है। हम टीनएज से उम्र के नए पड़ाव में आते हैं। स्टाइल की बात करें तो उम्र का यह दौर स्टाइल के मामले में भी हमारे पुराने ढर्रे को पूरी तरह से बदल देता है। कुछ नया एक्सपेरिमेंट करने को हर युवा बेचैन हो जाता है।

स्कूल से कॉलेज और कॉलेज से फिर जॉब ये पूरा दौर बदलाव का होता है। ये सारे पड़ाव हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। इस दौर के हर मुकाम पर हम अपनी एक स्टाइल बनाते हैं। लेकिन इस दौर में स्टाइलिंग को लेकर भी कई जरूरी बातें हैं, जो जानना जरूरी हैं।

1- फैशन नहीं स्टाइल को दें तवज्जो

फैशन भले ही बदले लेकिन स्टाइल हमेशा बना रहता है। इसलिए फैशन पर ध्यान न देकर अगर हम एवरग्रीन स्टाइल पर फोकस करें तो बेहतर होगा। फैशन में चल रहे ट्रेंड की बात करें तो इसके साथ दिक्कत ये होती है कि ये हमेशा बदलता रहता है। आज इस तरह के कपड़ों का फैशन है तो कल कोई और। सबसे बड़ी दिक्कत तब आती है जब फैशन आउट हो जाता है। फैशन आउट होने पर यही कपड़े चीप लगने लगते हैं और बेकार हो जाते हैं। जबकि अगर क्लासिक स्टाइल पर फोकस किया जाए तो ये स्टाइल टाइमलेस होते हैं। मान लीजिए अगर आपने क्लासिक सूट लिया है, तो ये जान लें कि इसका स्टाइल कभी पुराना नहीं होता, साथ ही सभी ओकेजन्स के लिए ये परफेक्ट लुक भी देता है।

2- स्किन पर ध्यान देना शुरू कीजिए

कपड़ों के अलावा भी कई चीजें हैं, जिसको लेकर हमें इस दौर में सीरियसली सोचना पड़ेगा। उसमें से एक है स्किन केयर, क्योंकि हमारी स्किन में भी कई चेंजेस आते जाते हैं। इस वक्त हमें स्किन रिलेटेड कई परेशानियों से भी दो-चार होना पड़ता है। ये वो दौर है जब हमारे लिए स्किन की देखभाल जरूरी हो जाती है। चूंकि इस वक्त कई हार्मोनल चेंज भी होते रहते हैं, जिसकी वजह से स्किन में ऑयली और पिंपल्स जैसी प्रॉब्लम होने लगती है। इसके लिए ऑयल कंट्रोल हमारी पहली प्रायरिटी होना चाहिए। स्किन की हेल्थ के लिए डाइट पर भी ध्यान देना पड़ेगा।

3- बालों पर ध्यान दें और उनका ख्याल रखें

स्किन की तरह बालों पर भी अभी से ध्यान दिया जाए तो आगे के लिए अच्छा होगा। बालों का वेल ग्रूम्ड होना हमारी पर्सनैलिटी को निखारता है। वैसे तो सबके बालों की ग्रोथ अलग-अलग होती है, लेकिन हर दो हफ्ते में सैलून जाना अपने रूटीन में शामिल कर लीजिए। इस बात का हमेशा ध्यान रहे कि लड़कों के बेहतर तरीके से कटे और सेट बाल उनका फर्स्ट इंप्रेशन बनाते हैं। वैसे तो कई तरह के हेयर स्टाइल इन दिनों फैशन में हैं, लेकिन बज कट,

स्लिक बैक और साइड पार्ट हमेशा अच्छे लगते हैं।

4- फेशियल हेयर को रखें वेल मेंटेन

इस उम्र चेहरे के बाल यानी दाढ़ी की ग्रोथ बढ़ती है। फेशियल हेयर केयर भी उतना जरूरी है जितना बालों की। क्लीन शेव्ड लड़के वैसे भी हमेशा से जेंटलमैन कैटेगरी में आते हैं। अगर आप क्लीन शेव्ड लुक पसंद करते हैं तो इस बात का ध्यान रहे कि रोज या फिर एक दिन की आड़ में शेव करते रहें, वैसे आजकल दाढ़ी का फैशन है लेकिन इस बात का ख्याल रखना जरूरी है दाढ़ी सही तरीके से ट्रिम हो।

5- बनाइए अपना स्टाइल आइकॉन

यह दौर ऐसा होता जब हम अपने लुक्स और स्टाइल को लेकर काफी कॉन्शियस होते हैं। कई बार कुछ कन्फ्यूजन भी होता है कि हम आखिर किसे फॉलो करें। ऐसे में अपना एक स्टाइल बनाना सबसे बढ़िया तरीका है। अपने स्टाइल आइकॉन को सामने रखकर उसे फॉलो करना उसके जैसा स्टाइल रखने की कोशिश करना अपना खुद का स्टाइल डेवलप करने में बहुत काम आता है।

सूट-पैंट और ब्लेजर भी हुए स्टाइलिश

सूट-बूट पहनना कौन नहीं चाहता है। इसको हर बॉडी टाइप वाले पुरुष पहन सकते हैं। यकीनन किसी भी खुशी के मौके पर जलवा बिखेरने के लिए ये काफी होता है। सूट-पैंट, शर्ट, कोट और ब्लेजर पहनने वालों को देखने के बाद हर दिल यही कहता है। इसलिए तो हर लड़के को अपने वार्डरोब में एक- दो जोड़ी ऐसी ड्रेस रखनी चाहिए।

आप इस तरह के सूट-बूट को अपने ऑफिस मीटिंग, शादी कार्यक्रम या ऑफिस पार्टी पर पहनकर जा सकते हैं। अगर आप भी खुद को ऐसे मौकों के लिए तैयार करना चाहते हैं तो इन 5 तरीकों से सूट-पैंट- शर्ट, कोट / ब्लेजर पहन सकते हैं।

1. वेलवेट ब्लेजर

वेलवेट ब्लेजर पहनने में जितना मखमली लगता है उतना ही वह देखने में भी आकर्षक होता है। इसलिए वेलवेट ब्लेजर को पहनना सही विकल्प हो सकता है। इसको आप खासकर सर्दी के मौसम में किसी कार्यक्रम पर पहनकर जाएं।

रॉयल ब्लू, मरून कलर के ब्लेजर के साथ सफेद रंग की शर्ट और काले रंग की पैंट पहनें। इसके साथ मॉन्क स्टाइल शूज पहनें। इस तरह की मैचिंग से चार चांद लग सकते हैं। लेकिन इसके साथ टाई बांधने की गलती न करें। क्योंकि यह आपके लुक को बिगाड़ने का काम कर सकता है।

2. सूट बूट

टेक्सचर स्टाइल के कोट, स्काय ब्लू कलर की शर्ट और ब्लैक कलर की पैंट को अपनी वार्डरोब में जरूर रखें। इसके साथ आप कलरफुल टाई को पहनें। यह आपके लुक में जान डालने का काम करेगा। अगर आप कोई फॉर्मल टाई पहनते हैं तो इससे लुक फीका पड़ सकता है।

3- ब्लैक सूट

काले रंग का सूट पहनने वालों की बात ही निराली होती है। इस तरह के सूट में आप

फैशन आज का

एकदम किलर लगते हैं। ऐसे सूट को आप नाइट पार्टी के लिए पहनें। क्योंकि रात में ऐसे कपड़ों का अलग ही रंग चढ़ता है। जो कि आपको निखारने का काम करता है।

4- एंब्रॉयडरी सूट

अगर आपके पास कोट या ब्लेजर है तो उसके साथ एंब्रॉयडरी शर्ट पहनें। जिस शर्ट की कॉलर या कफ पर कढ़ाई की गई हो उसको पहनें। इस तरह का लुक आपके कैजुअल पार्टी के लिए सही रहेगा। अगर आप खुद ही देखेंगे तो ये एंब्रॉयडरी आपको प्यारी लगेगी।

5. ऑफ व्हाइट कोट / ब्लेजर

अगर आप कुछ नया लुक चाहते हैं तो ऑफ व्हाइट कोट / ब्लेजर के साथ कुछ इस तरह का एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। इस तरह के ब्लेजर के साथ कभी भी राउंड नेक टी-शर्ट ही पहनें। इस तरह का कैजुअल लुक काफी आकर्षक होता है। शॉर्ट हाइट मैन के लिए भी ये सही है। ऐसे ही कैजुअल ब्लेजर आप अपने पास रखें।

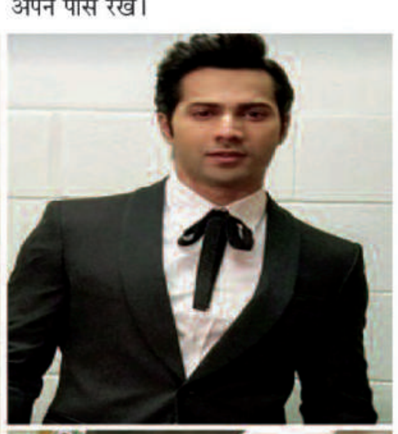

लाइफस्टाइल

50 के बाद कैसी हो लाइफस्टाइल

स्वस्थ रहने के लिए उम्र के साथ-साथ खान-पान की आदतों में बदलाव करना बहुत जरूरी होता है, खासतौर पर 50 साल की उम्र के बाद।

इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि उम्र बढ़ने के साथ उसके लक्षण नजर आने ही लगते हैं, चाहे आप अपना कितना भी ख़्याल क्यों न रखते हों, लेकिन हां, आप अपने खान-पान का ख़्याल रखकर सेहत से जुड़ी चुनौतियों का आसानी से सामना कर सकते हैं और बीमारियों को काफी हद तक टाल सकते हैं। 50 के बाद खान-पान और जीवनशैली में बदलाव लाना चाहिए?

पौष्टिक खाएं

50 वर्ष से अधिक आयु वाले पुरुषों को पौष्टिक खाना खाना चाहिए. इससे बढ़ती उम्र में होनेवाली बीमारियों, जैसे-हार्ट डिजीज, डायबिटीज, मोटापा और कुछ विशेष प्रकार के कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। खाने में फल, हरी सब्जियां, साबूत अनाज, फैट-फ्री या लो फैट डेयरी प्रोडक्ट्स शामिल करें। प्रोटीन के लिए मछली, अंडे, लीन मीट्स, बीन्स व नट्स का सेवन करें। मोटापे और दिल की बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि खाने में सैचुरेटेड फैट, ट्रांसफैट, कोलेस्ट्रॉल, नमक और शक्कर का सेवन कम से कम किया जाए।

शारीरिक रूप से एक्टिव रहें

50 की आयु लांघने के बाद फिट रहने के लिए शारीरिक रूप से एक्टिव रहना बहुत जरूरी होता है। फिजिकली एक्टिव रहने से मांसपेशियों को मजबूत बनाने, दिल को स्वस्थ रखने, शरीर का लचीलापन बरकरार रखने व बैलेंस को बनाए रखने में मदद मिलती है। शारीरिक रूप से एक्टिव रहने से डिमेंशिया जैसी बीमारी होने का खतरा कम होता है। इसके लिए हफ़्ते में कम से कम चार दिन आधे घंटे एक्सरसाइज करें। आप चाहें तो वॉकिंग, साइक्लिंग या स्वीमिंग कर सकते हैं। मसल्स को मजबूत बनाने के लिए वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज करें, लेकिन इसके लिए किसी ट्रेनर की मदद लें।

खाने में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा सीमित कर दें

प्रतिदिन 300 एमजी से अधिक कोलेस्ट्रॉल का सेवन न करें। अगर आपको हार्ट डिजीज है तो 200 एमजी कोलेस्ट्रॉल ही लें। अधिक कोलेस्ट्रॉल युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे-अंडे की जर्दी,

मलाईदार दूध इत्यादि का सेवन न करें। खाना बनाने के लिए कैनोल, ऑलिव या पीनट ऑयल का इस्तेमाल करें।

नाइटलाइफ कल्चर के साथ बदलता फैशन

नाइटलाइफ फैशन

दिल्ली में भी नाइटलाइफ का कल्चर बढ़ रहा है। यही वजह है कि फैशन की दुनिया भी इसमें अहम भूमिका निभा रही है। युवाओं को नाइटलाइफ इतनी भा रही है कि फैशन डिजाइनर भी इसे अपनी थीम में शामिल करने पर मजबूर हो गए हैं।

आज के युवाओं के लिए दिन से ज्यादा रात अपनी होती है। दिन में तो वह दफ्तर में होते हैं, लेकिन रात का समय उनका अपना होता है, जिसमें वह खूब मौज-मस्ती करना चाहते हैं। इसी तर्ज पर मस्ती के मूड को ध्यान में रखते हुए खास फीमेल कलेक्शन निकाले गए हैं।

इस समय माइक्रो मिनी को छोड़ नी-लेंथ स्कर्ट पर ज्यादा फोकस किया ताकि पहनते वक्त ज्यादा सोचना न पड़े। रंगों में गाढ़ा नीला, भूरा, हरा और सुर्ख लाल का इस्तेमाल खूब किया है। काले रंग का प्रयोग भी उनकी कलेक्शन में बेहतरीन लगा जिसमें हाथ से की गई हल्की एंब्रोएडरी आकर्षक है।

कफतान थीम में जहाँ गाढ़े रंगों का प्रयोग था जैसे महरून, गाढ़ा नीला और नारंगी आदि। वहीं सूती में इन्होंने सभी हल्के रंगों का इस्तेमाल किया, जैसे हलका गुलाबी, नीला, सफेद।

आमतौर पर इनके कलेक्शन में सफेद रंग को बेस बनाया गया। एक कफतान जो कि दक्षिण अरेबिया के फैब्रिक से अधिक प्रभावित थी। इसमें सिल्क और नेट का प्रयोग अधिक दिखा। दूसरा कलेक्शन मेन और वुमेन दोनों के लिए निकाला गया है, जिसमें लड़कियों के लिए मिनी स्कर्ट, केप्री, प्रिंटेड टॉप शामिल थे। वहीं लड़कों के लिए चेक शर्ट, ट्राउजर्स आदि को शामिल किया। यह पूरा फैब्रिक सिल्क में था।

आज के कलेक्शन में भारतीय और पश्चिमी दोनों ही पोशाकों का मेल दिख रहा है। साड़ियों की एक

से एक बेहतरीन कलेक्शन मौजूद है। इस समय कंट्रास्ट कलर्स ज्यादा पसंद किया जा रहा है, जैसे साड़ी का रंग यदि गुलाबी है तो ब्लाउज का रंग क्रीम है। इसी तरह पल्लू का रंग यदि हरा है तो चोली महरून रंग की। चोलियाँ सभी पश्चिमी टच लिए हुई थीं। कहीं हॉल्टर नेक था तो किसी नेट की साड़ी पर बनारसी बॉर्डर। वहीं नेट पर गोटा पत्ती वर्क का भी बेहतरीन मेल था। नेट के साथ जॉर्जट का मेल अनोखा था। वेस्टर्न आउटफिट में शॉर्ट स्कर्ट, नी लेंथ स्कर्ट और उस पर कलियों वाला कोट खूब जँचेगा।

न्यू ट्रेंड इन ज्वैलरी

स्टाइलिश गहने बने पहली पसंद....

बदलती जीवनशैली के साथ, आभूषणों के प्रति भी महिलाओं के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। आज की महिलाएं स्टायलिस्ट गहने ज्यादा पसंद करती हैं जो फोटो-शूट के लिए फिट हों।

आज की महिलाएं स्टायलिस्ट गहने ज्यादा पसंद करती हैं जो फोटो-शूट के लिए फिट हों। लिहाजा ज्वेलर्स भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए स्टाइलिश गहनों की नई रेंज लॉन्च की है। बदलती जीवनशैली और मानसिकता के साथ, आभूषणों के प्रति भी महिलाओं के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। अधिकांश महिलाएं हॉलीवुड और बॉलीवुड फैशन, किम कर्दाशियां और प्रमुख डिजाइनरों जैसी हस्तियों से प्रेरित हैं। आज की युवा पीढ़ी को पता है कि अब सोने के आभूषणों को पश्चिमी शैली के परिधानों के साथ मैच किया जा सकता है और वे इस तरह का प्रयोग करने लगी हैं।

स्टाइल के साथ शुद्धता भी जरूरी

सोने की खरीद पर आपको डिस्काउंट देता कोई न कोई जरूर मिल जाएगा। ऐसे में जब बाजार में हर तरफ सोने-चांदी की दुकान सजी हो तो ग्राहक के लिए यह तय कर पाना मुश्किल हो जाता है कि सोना कहां से खरीदा जाए। इसके लिए शुद्धता पर जरूर ध्यान दें।

माह जुलाई 2022 में जनपद में लगाए जाएंगे 41,24,154 पौधे

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला वृक्षारोपण समिति एंव जिला गंगा समिति एंव जिला पर्यावरण समिति की बैठक जिलाधिकारी एम.पी. सिंह अध्यक्षता में राईफल क्लब सभागार में आज दिन सोमवार को सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि माह जुलाई 2022 में जनपद में 41,24,154 पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को विभागवार लक्ष्य के अनुसार पौधरोपण करने के निर्देश दिए। पौधरोपण के लिए जियो टैगिंग करने और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को पौधरोपण के लिए गड्ढा खोदान और वित्त वर्ष 2021-22 की सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होने अधिकारियो को नगर वन/नगर वाटिका, नदियों के किनारे और अन्य स्थलों पर पौधरोपण के लिए स्थल चिह्नित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिए।

प्रभागीय वनाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को जनपद में विभागवार लक्ष्य के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया कि जनपद में वर्ष 2022-23 हेतु कराये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु लक्ष्य निर्धारित है, जिसमें ग्राम्य विकास विभाग द्वारा 1759520, राजस्व विभाग द्वारा 198940, पंचायती राज विभाग द्वारा 198940, कृषि विभाग द्वारा 337040, उद्यान विभाग 220564, पर्यावरण विभाग 151382, नगर विकास विभाग 23240, रेशम विभाग 28150, उच्च शिक्षा 21840, रेलवे विभाग 20860, लोक निर्माण विभाग 9800, सिचाई 9800, स्वास्थ्य 9940, उद्योग विभाग 8400, सहकारिता 7980, गृह विभाग 7000, पशुपालन 6300, रक्षा विभाग 6440, प्राविधिक शिक्षा 5740, उर्जा विभाग 5320, माध्यमिक शिक्षा 4000, बेसिक शिक्षा 4000, श्रम विभाग 3080, आवास विकास 6440, औद्योगिक 3920, परिवहन विभाग 3080 के अतिरिक्त वन विभाग को 10,62438 पौधरोपण का लक्ष्य प्राप्त है। उन्होने बताया कि वृक्षारोपण के कार्यो का स्थलीय सत्यापन हेतु जनपद स्तरीय जॉच कमेटी में 4 सदस्यीय टीम का विकास खण्डवार गठन कर लिया गया है। सभी सम्बन्धित विभाग के नोडल अधिकारियो निर्देशित किया गया है और जॉच के समय जॉच समिति का पूर्ण सहयोग करने का भी निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने समस्त विभागो के अधिकारियों से वर्ष 2021-22 में करये गये वृक्षारोपण का स्वमूल्यांकन कराते हुए पौधो की जीविता प्रतिशत उपलब्ध कराने के साथ वषार्काल 2022 में वृक्षारोपण हेतु आवंटित लक्ष्य पूर्ण करने के लिए सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप में कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि जनपद में वृहद वृक्षारोपण के तहत 75 पौधे प्रत्येक ग्राम पंचायत/नगर पलिका परिषद/नगर पंचायत द्वारा अमृत महोत्सव उद्यान की स्थापना किया जाना है जो अमृत महोत्सव उद्यान 2022-23 में 35 करोड़ पौधरोपण में सम्मिलित माने जायेगे। जिसके लिए पौधे डी एस टी के माध्यम से वन विभाग द्वारा विभागीय नर्सरियों से उपलब्ध कराये जायेगे। अमृत महोत्सव उद्यान की स्थापना महत्तपूर्ण सार्वजनिक स्थनो (सामुदायिक भूमि, राजकीय भूमि, सरकारी/अर्द्धसरकारी भवनो के परिसर,) नगर वाटिका, नगर वन, शहर मे अवस्थित अथवा निर्मित किये जा रहे उद्यान में की जायेगी। अमृत महोत्सव उद्यान में ऐसे क्षेत्र चयन में बरीयता दी जाये जो पूर्ण या आंशिक रूप से दीवार, तारबाड़, घेरबाड़ से सुरक्षित हो, अन्यथा की स्थिति में वृक्षारोपण सुरक्षा हेतु समुचित व्यवस्था की जाये। रोपित किये जाने वाले पौध लंबी जीवितता के देशी/स्थानीय पौध होगे जिसमें मुख्य रूप से फलदार, छायादार, औषधीय, प्रकाष्ठ, पर्यावरणीय तथा सांस्कृतिक महत्व के प्रजातियों पौधे लगाये जायेगे। उन्होने राष्ट्रीय वृक्ष बरगद आवश्यक रूप एवं राज्य वृक्ष अशोक कृषि जलवायु उपयुक्तता के आधार पर लागाने का निर्देश दिया। रोपित किये जाने वाले पौधे पूर्ण रूप से स्वस्थ एंव अच्छी उचाई हो तथा उनकी प्रजातियां मुख्यतः बरगद, पीपल, पाकड़, गुलर, सीता, अशोक, नीम, आम, हरड़, बहेडा, बेल, महुआ, सहजन, ऑवला, जामुन, चिरौंजी, पुत्रंजीवा, शीशम, इमली, अर्जुन, कुसुम, लसोड़ा,/गोन्दी एवं करंज इन प्रजातियों के अतिरिक्त स्थानीय महत्व/उपयुक्तता के दृष्टिकोण से अन्य दीर्घजीवी प्रजातियों के पौध को भी रोपित किया जाये।

जिला गंगा समिति की बैठक में अर्थ गंगा की अवधारणा के अन्तर्गत जनपद में वर्ष 2022-23 की वार्षिक कार्ययोजना तैयार किये जाने, गंगा नदी के किनारे अवस्थित ग्राम पंचायतो को अर्थ गंगा की अवधारणा से जोडे जाने, गंगा ग्रामो में गंगा संरक्षण समिति के गठन, सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट के स्थापना की अद्यतन स्थिति, गंगा घाटो की साफ-सफाई, स्वच्छता पखवाड़ा, जल संरक्षण हेतु कैच द रैन कैम्पेन कार्यक्रम समयानुसार किये जाने, जैविक कृषि पद्धति जल संचयन सम्बन्धी सिंचाई पद्धतियो को बढावा देने, उच्च संकल्प डेम एंव जीआईएस आधारित डाटावेस तैयार किये जाने तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली द्वारा गंगा के जल गुणवत्ता अवं अविरलता के संरक्षण हेतु फ्लड प्लैन एरिया के चिन्हांकन कर मैप उपलब्ध कराने की प्रगति से सम्बन्धित विषय पर चर्चा कर आवश्य निर्देश दिये गये। बैठक में जिला पंचातय राज अधिकारी को गंगा ग्राम पंचपायतो से निकलकर गंगा नदी में मिलने वाले समस्त नालों की सूची जिला गंगा संरक्षण समिति गाजीपुर को उपलब्ध कराये जाने एवं नालो में यदि आवश्यक होतो तो लिक्विड वेस्ट मैनेजमेन्ट हेतु यांत्रिक जाली लगवाना सुनिश्चित करें एंव यह भी सुनिश्चित करें कि गंगा एंव उसके सहायक नदियों के किनारे अवस्थित ग्राम पंचायतों द्वारा नदियों मे कूड़ा न डाला जाये।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन गाजीपुर के जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक जिलाधिकारी एम.पी.सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अध्यक्ष के साथ-साथ मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), एस.पी. सीटी के साथ-साथ जिले के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिलाधिकारी ने खाद्य पदार्थ में मिलावट रोकने के कड़े निर्देश दिए। औषधि निरीक्षक गाजीपुर को दवाओं के दुकान की सघन जॉच करने एवं औषधि माफिया को चिन्हित करने के निर्देश दिया। साथ ही साथ निर्देशित किया कि खाद्य एवं रसद विभाग की दुकाने (थोक, फुटकर, एवं भण्डारण), उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग में पंजीकृत समस्त कोल्ड स्टोरेज एवं फ्रूट रॉइपनिंग चैम्बर एवं अन्य खाद्य कारोबारी, एल्कोहलिक

बेवरेजेज प्रतिष्ठानों (निमार्ता रिपैकर वितरक, ट्रान्सपोटर्स, थोक एवं फुटकर विक्रेताओं), मण्डी समिति के दुकानों (थोक, फुटकर निमार्ता एवं भण्डारण) को खाद्य लाइसेन्स एवं पंजीकरण मे अच्छादित किये जाने का सख्त निर्देश दियें। ए.एन.एम., आशा बहुओं, मीड डे मील एवं मरीजों के रसोईयों को भी प्रशिक्षित किये जाने के निर्देश दिये। आई.ई.सी. के माध्यम से छात्रो, उपभोक्ताओं एवं खाद्य कारोबारकताओं को जागरूक किये जाने के विशेष निर्देश दियें। साथ ही साथ खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता की निरन्तर जॉच एवं मिलावट की जॉच के तरीकों का प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य) अजीत कुमार मिश्र एवं विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे।

शिविर लगाकर किसान क्रेडिट कार्ड बनाया गया

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय विकास खण्ड के छितौना गाँव के प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में सोमवार की सुबह लगभग दस बजे ग्राम प्रधान ममता यादव की अध्यक्षता में शिविर लगाकर किसान क्रेडिट कार्ड बनाया गया। शिविर के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को केसीसी कार्ड के बारे में बताया गया इस दौरान 79 किसानों का किसान क्रेडिट कार्ड फार्म जमा कराया गया। प्राविधिक सहायक अजय शंकर प्रजापति ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि शिविर ने आए किसानों को जागरूक करने के साथ किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के साथ क्रेडिट कार्ड से होने वाले लाभ की जानकारी दी गई।इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि फौजी सुबास यादव,पंचायत सहायक प्रियंका यादव, रामाराम कुशवाहा, प्रगति शील कुशल व दलसिंगार यादव समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएम योगी और राज ठाकरे की मुलाकात को लेकर मुंबई की सड़कों पर लगे पोस्टर

लखनऊ। लाउडस्पीकर मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या जाएंगे। राज ठाकरे रामलला के दर्शन करने के बाद 6 जून को राज ठाकरे सीएम योगी से भी मुलाकात करने वाले हैं। राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा की तैयारियां अभी से जोरों पर है। जिसकी बानगी अभी से दिखाई देने लगी है। मनसे प्रमुख की अयोध्या यात्रा के पोस्टर मुंबई की सड़कों पर नजर आ रहे हैं। जिसमें भगवा कपड़ों में राज ठाकरे को दिखाया गया है। मनसे की ओर से मुंबई में चलो अयोध्या के पोस्टर लगाए गए हैं। जिसके माध्यम से लोगों से जून के महीने में राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा में शामिल होने की अपील की गई है। पोस्टर में

सबसे ऊपर जय श्री राम लिखा गया है। उसके ठीक नीचे धर्मांध नाही, मी धर्माभिमानी लिखा है। फिर से चलो अयोध्या लिखा है। पोस्टर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल के पास लगाए गए हैं। मनसे की तरफ से अयोध्या दौरे के लिए विशेष ट्रेनें आरक्षित होगी। इससे पहले लाउडस्पीकर विवाद पर राज ठाकरे ने कहा कि ये कोई मुद्दा नहीं है, ये अब खत्म हो गया। आप बजाओगे तब हम भी हनुमान चालीसा पढ़ने वाले हैं। 3 तारीख को ईद है। तब कुछ बोलूंगा नहीं, 3 के बाद किसी की सुनूंगा नहीं। इसके साथ ही राज ठाकरे ने हिंदुओं से विनती करते हुए कहा कि जहां भी लाउडस्पीकर दिखे उसके सामने हनुमान चालीसा बजाएं। 3 के बाद क्या होगा मुझे नहीं पता। नहीं सुनना आता इन्हें, तब एक बार हो जाने दीजिए जो होगा।

विद्यालय के शिक्षकों ने डोर टू डोर जाकर किया नामांकन

प्रखर केराकत जौनपुर। विकासखंड मुफ्तीगंज के कम्पोजिट विद्यालय देवकली के शिक्षकों द्वारा नामांकन महाभियान के तहत डोर टू डोर अभिभावक संपर्क के माध्यम से बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक श्री धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव तथा सहायक अध्यापक कमलेश खटवानी, मो.शाहिद, विनय पाल, प्रतिभा, रीना, सविता, कविता और सुषमा के द्वारा अभिभावकों को सरकार द्वारा प्रदान की जा सुविधाओं तथा विद्यालय में चल रहे विभिन्न कार्यक्रमो की जानकारी

अभिभावकों को दी गयी । विद्यालय में नामांकन कराने हेतु अभिभावकों में खास उत्साह दिखा। जिससे की सभी बच्चों को अच्छी व्यवस्था सरकार द्वारा दी जा रही है।

गुरुग्राम से भाई का शव लेकर मैनपुरी आ रहे व्यक्ति की मौत, एंबुलेंस पलटने से हुआ हादसा

मैनपुरी। थाना कुर्रा क्षेत्र में रविवार की सुबह एंबुलेंस पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वह गुरुग्राम से अपने भाई का शव लेकर किशनी जा रहा था। गांव जरिया नीमखेड़ा के पास हादसे में उसकी भी जान चली गई। दो सगे भाइयों की मौत से घर में कोहराम मच गया। हादसे में चालक सहित दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना किशनी क्षेत्र के गांव असेंधी निवासी 55 वर्षीय अरुण कुमार अपने भाई 40 वर्षीय संजीव कुमार के साथ गुरुग्राम में रहकर प्राइवेट नौकरी कर रहे थे। शुक्रवार की शाम अरुण की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। रविवार को संजीव बड़े भाई का शव लेकर एंबुलेंस से घर वापस आ रहा था। थाना कुर्रा क्षेत्र में गांव जरिया नीमखेड़ा के पास एंबुलेंस पलट गई। हादसे में संजीव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गांव निवासी विनीत चौहान और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शिक्षा विभाग की उपलब्धि, नवीन नामांकन के मामले में प्रदेश में छठवाँ स्थान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शैक्षिक सत्र 2022-23 का आरम्भ 1 अप्रैल 2022 से होने के साथ ही स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 4 अप्रैल 2022 को जनपद-श्रावस्ती से किया गया। विभागीय निर्देषानुसार दिनांक 04 अप्रैल, 2022 को कम्पोजिट विद्यालय सिकंदरपुर, षिक्षा क्षेत्र-करण्डा, जनपद-गाजीपुर के प्रांगण में जिलाधिकारी महोदय द्वारा दीप प्रज्जवलित कर एवं 11 बच्चों का नामांकन विद्यालय में करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कार्यक्रम के शुभारम्भ के साथ ही जनपद के समस्त विकासखण्डों के ब्लाक संसाधन केन्द्रों व समस्त परिशदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ किया गया। दिनांक 5 अप्रैल 2022 से दिनांक 30 अप्रैल 2022 तक समस्त जनपद में स्कूल चलो अभियान रैली, जन चौपाल, डोर-टू-डोर हाउस होल्ड सर्वे का कार्य समस्त शिक्षकों, समस्त ए.आर.पी., समस्त एस.आर.जी., शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के साथ-साथ सभी विकासखण्डों के खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गाजीपुर द्वारा जनपद को प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष समस्त विकासखण्डों व विद्यालयों को लक्ष्य का वितरण किया गया। जनपद को प्राप्त लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त विकासखण्ड हेतु एक विशेष अभियान दिवस निर्धारित किया गया तथा उक्त दिवस को जिला समन्वयक, सामुदायिक सहभागिता के साथ स्वयं उक्त विशेष अभियान में पहुँचकर शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबन्ध समिति सदस्यों तथा जनप्रतिनिधिगण से संवाद स्थापित कर अधिक से अधिक नामांकन कराने हेतु अपील की गयी। रैली के माध्यम से 6 से 14 आयु वर्ग के समस्त बच्चों का परिषदीय विद्यालयों में नामांकन हेतु जनसामान्य को जागरूक किया गया। जनचौपाल के माध्यम से अभिभावकों से संवाद स्थापित कर अपने बच्चों का परिषदीय विद्यालयों में नामांकित कराने हेतु प्रेरित किया गया तथा उनके मन में उत्पन्न प्रश्नों का समाधान किया गया। लक्ष्य प्राप्ति हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों की साप्ताहिक बैठक के साथ ही गूगल मीट के माध्यम से प्रतिदिन के नवीन नामांकन की समीक्षा की गयी। गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त ए.आर.पी. की बैठक कर उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा विकासखण्डवार समस्त प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं ए.आर.पी. की बैठक गूगल मीट के माध्यम से करते हुए डोर-टू-डोर हाउस होल्ड सर्वे, ईंट-भट्ठों, मलिन बस्तियों में पहुँचकर बच्चों का चिन्हांकन विद्यालय में नामांकन कराने हेतु निर्देशित एवं प्रेरित किया गया। अभियान के अन्तिम दिवस 30 अप्रैल 2022 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रातः काल गूगलमीट के माध्यम से समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों, ए.आर.पी. की बैठक कर विशेष अभियान के रूप में संचालित करने का निर्देश प्रदान किया गया, जिसके क्रम में जनपद के समस्त विकासखण्डों में विशेष अभियान चलाकर एक दिवस में 11000 से अधिक छात्र/छात्राओं का नामांकन कराया गया। इस प्रकार दिनांक 4 अप्रैल 2022 से दिनांक 30 अप्रैल 2022 तक जनपद में नवीन नामांकन लक्ष्य 62389 के सापेक्ष 62671 नवीन नामांकन किया गया, जो लक्ष्य के 100.45 प्रतिशत है। इस अभूतपूर्व लक्ष्य को प्राप्त करते हुए जनपद नवीन नामांकन के मामले में प्रदेश में छठवाँ स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। अप्रैल माह की समाप्ति के साथ ही यह अभियान समाप्त नहीं हुआ है बल्कि आगे भी जारी रहेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का लक्ष्य अगले 15 दिन में समस्त विकासखण्डों में पूर्व की भांति अभियान संचालित करने तथा लक्ष्य के 125 प्रतिशत तक नामांकन कराने का है। इस सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर खण्ड शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है।

किसान तरबूज, खरबूज व नाशपाती उगाकर कर सकते है अच्छी कमाई

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। खरबूजे की खेती किसी भी उपजाऊ मिट्टी में की जा सकती है, किन्तु अधिक मात्रा में उत्पादन प्राप्त करने के लिए हल्की रेतीली बलुई मिट्टी को उत्तम माना जाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति गाजीपुर जनपद की है क्योंकि गाजीपुर जनपद वाराणसी से लेकर बिहार के बक्सर तक गंगा के किनारे बसा हुआ है। इसके कारण गंगा के किनारे इस फसल के लिए उपजाऊ रेतीली बलुई मिट्टी प्रचुर मात्रा में मिलती है। जिसकी वजह से किसान इस मिट्टी में खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा जैसी फसल आसानी से उगाया रहे है। गर्मी के मौसम यानी कि मार्च से लेकर जून और जुलाई का मौसम को खरबूजे की फसल के लिए अच्छा माना जाता है। इस दौरान पौधों को भरपूर मात्रा में गर्म और आद्र मौसम मिल जाती है। गर्म मौसम में इसके पौधे अच्छे से बढ़ते है। बारिश के मौसम में इसके पौधे ठीक से वृद्धि करते है, लेकिन अधिक बारिश पौधों के लिए हानिकारक होती है। इस खेती की शुरूवात में 25 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है तथा पौधों के विकास के लिए 35 से 40 डिग्री तापमान जरूरी होता है। जैसा कि इन दिनों तापमान चल रहा है। इन दिनों जनपद में गंगा किनारे के इलाके जैसे करंडा, मोहम्मदाबाद, भावर कोल आदि इलाकों में रेतीले खेतों में किसान तरबूज, खरबूज नाशपाती उगाकर अच्छी कमाई कर रहे हैं। माधुरी नस्ल का तरबूज किसानों में ज्यादा लोकप्रिय है। क्योंकि यह कम समय में तैयार होने के कारण किसानों की पसंद बन चुकी है। वहीं कृषि विशेषज्ञों की मानें तो किसान मल्च विधि से तरबूज की बुवाई कर ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों की बात माने तो तरबूज को अगर किसान परंपरागत खेती की बजाए मल्च लगाकर करें तो उसका खर्च 40 से 45 हजार प्रति एकड़ आएगा और 1 एकड़ की फसल बेचने पर करीब डेढ़ लाख किसान प्राप्त कर सकता है। खेती के लिए किसान को 8 से 10 सिंचाई करनी पड़ती है। जबकि यदि वह मल्च विधि से खेती करें तो 4-5 सिचाई चाहिए काफी होती है। वही मल्च विधि से मोहमदाबाद इलाके में कई किसानों ने टमाटर की खेती की हुई है। मोहम्मदाबाद इलाके में तरबूज की खेती करने वाले किसानों को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की सौगात मिल जाने की वजह से उन्हें सिर्फ गाजीपुर की मंडियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। बल्कि अपनी फसल को प्रदेश के कई अन्य मंडियों तक भी कम खर्च में पहुंचा कर अधिक लाभ कमा रहे हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिले सरकारी कर्मचारी का दर्जा

मैनपुरी। आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका वेलफेयर एसोसिएशन ने रविवार को मजदूर दिवस पर अपनी मांगों को लेकर कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने कलक्ट्रेट परिसर में लाल कपड़े बांधकर प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकालकर सभा की। प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता शाक्य ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाए। रविवार की सुबह जिले भर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं मजदूर दिवस पर कलक्ट्रेट स्थित तिकोनिया पार्क पर एकत्रित हुईं। यहां लाल साड़ी में कलक्ट्रेट पर जुलूस के रूप में प्रदर्शन करते हुए पहुंचीं। तिकोनिया पार्क में सभा हुई। सभा में प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता शाक्य ने कहा कि जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं सरकारी कर्मचारियों के बराबर कार्य करते हैं उनकी तरह से ही सभी व्यवस्थाओं को संभालते हैं तो फिर उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा क्यों नहीं।

प्रधान के संग दुर्व्यवहार को लेकर प्रधानों ने घेरा घोसी कोतवाली

घोसी, मऊ। घोसी ब्लाक में प्रधानों के संग आये दिन कार्य को लेकर लोगो द्वारा दुर्व्यवहार के सम्बंध में प्रताड़ित किया जा रहा है। जिसको लेकर रविवार को प्रधान संघ अध्यक्ष घोसी राजेश कुमार के नेतृत्व घोसी ब्लाक के सभी प्रधानों ने घोसी कोतवाली घेराव कर प्रधान के साथ दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति के साथ कार्यवाही करने की मांग की है। बता दे कि शनिवार घोसी ब्लाक अकोहली ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम समाज की पोखरी खोदाई का कार्य किया जा रहा था जिसको लेकर गांव के ही कुछ दबंगो द्वारा गाली गलौज किया गया जिसको लेकर ग्राम प्रधानों ने काफी आक्रोश है। इस समय शासन के आदेश पर प्रदेश भर में ग्राम पंचायत द्वारा जल संचयन के लिए ग्राम समाज की पोखरी खुदाई करने का कार्य बढ़े जोर शोर से चल रहा है लेकिन कही कही उक्त कार्य को लेकर गांव के की कुछ दबंगो द्वारा विरोध कर ग्राम प्रधान

से मारपीट तक की नौबत तक आ जाती है। कुछ ऐसा ही मामला घोसी विकास खण्ड के अकोल्ही मुबारकपुर ग्राम पंचायत में भी है। जहां शनिवार को ग्राम प्रधान पति महेन्द्र यादव द्वारा ग्राम समाज की पोखरी का कार्य कराया जा रहा था। जहां गांव के ही मनोज पुत्र राजकिशोर, श्री राम, हरेराम पुत्रगण राजनाथ, सूरज पुत्र अशोक द्वारा गाली गलौज करते हुई कार्य को रोकने लगा। जिसको लेकर घोसी विकास खण्ड के सभी ग्राम प्रधानों में काफी आक्रोश है। प्रधान के साथ हो रहे आये दिन दुर्व्यवहार को लेकर प्रधान संघ अध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में सभी ग्राम प्रधान रविवार की दोपहर लगभग 12:00 बजे घोसी कोतवाली का घेराव कर उक्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। जिस पर घोसी कोतवाली पुलिस ने उक्त आरोपियों को उनके घर से गिरफ्तार कर थाने लाई।

पिकअप के धक्के से बाइक सवार की मौत

मऊ। रविवार की सुबह रानीपुर थाना क्षेत्र के चिरैयाकोट स्थित किन्नूपुर गांव के पास मऊ की तरफ जा रही पिकअप ने सामने से आ रहे बाइक मे टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मौका देखकर ड्राइवर पिकअप के साथ फरार हो गया। रोड पर सुबह टहलने लोगों ने घटना की सूचना रानीपुर पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे रानीपुर एसआई सरफराज खान ने षव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार मऊ के शाही कटरा निवासी फैयाज अहमद 21 वर्ष पुत्र अबुलैश भट्टे पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था। रविवार की सुबह 4 बजे अपनी बाइक यूपी 54 एआर 0766 से भट्टे पर मजदूरी करने जा रहा था। फैयाज अभी मऊ चिरैयाकोट मेन मार्ग पर किन्नूपुर गांव के पास ही पहुंचा था कि पिकअप ने सामने से टक्कर मार दी।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर 189 आपदा मित्रों को राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ के लिए किया रवाना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एन.डी.एम.ए. गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश के कुल 25 जनपदों में आपदा मित्र परियोजना का संचालन किया जाना है। जिसके अन्तर्गत कुल 10,200 आपदा मित्रो को प्रशिक्षित किया जाना है। जनपद गाजीपुर से कुल 500 आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें से प्रथम बैच कुल 189 आपदा मित्रों को चयनित कर प्रशिक्षण हेतु राज्य आपदा मोचन बल लखनऊ के लिए जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। जिलाधिकारी एम.पी. सिंह नें प्रशिक्षु आपदा मित्रो को पूरे मनयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने सुझाव दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एस.डी.आर.एफ. लखनऊ में दिनांक 3 मई 2022 से प्रारम्भ

कुल 12 दिवसीय प्रशिक्षण लखनऊ में सम्पन्न कराया जायेगा। अपर जिलाधिकारी वि./रा. अरूण कुमार सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान इमरजेन्सी रिस्पान्डर किट आपदा मित्र को प्रदान किया जायेगा। इस कार्यक्रम का संचालन आपदा विशेषज्ञ अशोक राय द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सी.आर.ए. प्रहलाद यादव, ए.सी.आर.ए. प्रशान्त गुप्ता, श्री शिवचद्र, विजय श्रीवास्तव, विनय दूबे, प्रदीप कुमार, मारण्डेय कुमार ने सहयोग प्रदान किया गया।

रोमांचक जीत के साथ लखनऊ दूसरे स्थान पर पहुंचा

दिल्ली को छह रन से हराया, राहुल व हुड्डा के अर्धशतक के बाद मोहसिन ने झटके चार विकेट

मुम्बई। कप्तान लोकेश राहुल (77) और दीपक हुड्डा (52) के शानदार अर्धशतकों तथा उनके बीच 95 रनों की साझेदारी और मोहसिन खान (16 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल मुकाबले में रविवार को छह रन से हराकर रोमांचक जीत हासिल की और तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। लखनऊ ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद दिल्ली की चुनौती को 20 ओवर में सात विकेट पर 189 रन पर थाम लिया। लखनऊ की दस मैचों में यह सातवीं जीत रही और वह 14 अंकों के साथ प्लेऑफ के करीब पहुंच गया है। दूसरी तरफ दिल्ली को नौ मैचों में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा और वह आठ अंकों के साथ छठे स्थान पर है। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। ओपनर क्विंटन डी कॉक 13 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाकर आउट हुए। राहुल ने 51 गेंदों पर 77 रन में चार चौके और पांच छक्के लगाए जबकि हुड्डा ने 34 गेंदों पर 52 रन में छह चौके और एक छक्का लगाया। राहुल और हुड्डा ने दूसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की। मार्कस स्टॉयनिस ने नाबाद 17 और क्रुणाल पांड्या ने नाबाद नौ रन बनाये। दिल्ली की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने 40 रन देकर तीनों गिरे हुए विकेट लिए। लखनऊ के स्कोर में 13 वाइड सहित 17 अतिरिक्त रनों का अहम योगदान रहा।

दिल्ली की खराब शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दोनो ओपनरो को 13 रन तक गंवा दिया। पृथ्वी शॉ पांच और डेविड वार्नर तीन रन बनाकर आउट हुए। मिशेल मार्श ने 20 गेंदो में तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 37 रन बनाये। मार्श ने कप्तान ऋषभ पंत के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। पंत 30 गेंदो में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर मोहसिन की गेंद पर बोल्ड हुए। रोवमन पॉवेल ने 21 गेंदो पर तीन चौकों और दो छक्कों के सहारे 35 रन बनाये लेकिन दिल्ली रन गति के मामले में पिछड़ती जा रही थी। आखिरी ओवर में दिल्ली को 21 रन चाहिए थे लेकिन अंत में दिल्ली लक्ष्य से दूर रह गयी। अक्षर पटेल 24 गेंदो में तीन छक्कों के सहारे 42 रन बनाकर नाबाद रहे। मोहसिन को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मोहसिन ने वार्नर, पंत, पॉवेल और शार्दुल ठाकुर के विकेट झटके।

पृथ्वी को फटकार और जुर्माना

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ पर वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में अचार संहिता का उल्लंघन करने पर फटकार लगाई गयी है और साथ ही उनकी मैच फीस के 25 फीसदी का जुर्माना किया गया है। पृथ्वी ने लेवल वन का अपना अपराध स्वीकार कर लिया है और उन पर लगाए गए जुर्माने को मंजूर कर लिया है। अचार संहिता के लेवल वन अपराध के लिए मैच रेफरी का फैसला अंतिम और बाध्यकारी होता है।

चेन्नई ने हैदराबाद को पीटा

पुणे। ऋतुराज गायकवाड 99 रन पर आउट होकर मात्र एक रन से शतक से चूक गए लेकिन उनकी शानदार पारी और डेवोन कॉन्वे (नाबाद 85) के साथ 182 रन की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी तथा मुकेश चौधरी (46 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को रविवार को आईपीएल मुकाबले में 13 रनों से पीट दिया और टूर्नामेंट में तीसरी जीत से अपनी उम्मीदों को कायम रखा। चेन्नई ने 20 ओवर में दो विकेट पर 202 रन का विशाल स्कोर बनाया और हैदराबाद को 20 ओवर में छह विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। हैदराबाद को इस तरह नौ मैचों में चौथी हार का सामना करना पड़ा। महेंद्र सिंह धोनी ने चेन्नई की कप्तानी वापस संभालते ही टीम को जीत दिलाई। गायकवाड ने 57 गेंदों पर 99 रन में छह चौके और छह छक्के लगाए। गायकवाड को टी नटराजन ने भुवनेश्वर कुमार के हाथों कैच कराया। कॉन्वे ने 55 गेंदों पर नाबाद 85 रन की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाए। कप्तानी में वापस लौटने वाले महेंद्र सिंह धोनी तीसरे नंबर पर उतरे और सात गेंदों में एक चौके के सहारे आठ रन बनाकर आउट हुए। रवींद्र जडेजा एक रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद की तरफ से नटराजन ने 42 रन देकर दोनों विकेट लिए।

कोलकाता के साथ भिड़ंत में राजस्थान जीत का दावेदार

मुम्बई। कोलकाता नाईट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मुकाबले मे राजस्थान जीत का दावेदार रहेगा। राजस्थान नौ मैचों में छह मैच जीतकर 12 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। कोलकाता नौ मैचों में छह हारकर छह अंकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर है और उसके लिए यह करो या मरो का मुकाबला है। कोलकाता यदि यह मैच जीता तो उसकी उम्मीदें बनी रहेंगी वरना वह प्लेऑफ की होड़ से बाहर हो जाएगा। राजस्थान के जोस बटलर इस सत्र में नौ मैचों में 70.75 के औसत से 566 रन बनाकर इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। कोलकाता के कप्तान श्रेयस अय्यर अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने नौ मैचों में 36.25 के औसत से 290 रन बनाए हैं। कोलकाता के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने इस सीजन बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने कोलकाता के लिए नौ मैचों में 7.27 के इकॉनमी से सबसे ज्यादा 14 विकेट लिए हैं।

सिंधु ने अंपायर पर आपा खोया

अंपायर से बहस के बाद लय को जारी नहीं रख सकीं भारतीय स्टार

मनीला। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता भारत की पीवी सिंधु ने एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल मैच में शनिवार को गलत निर्णय देने पर चेयर अंपायर और रेफरी पर अपना आपा खो दिया। सेमीफाइनल मैच में सिंधु को जापान के मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से 21-13, 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार भारतीय खिलाड़ी ने अपना अभियान कांस्य पदक के साथ खत्म किया। भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी एक गेम से आगे थी और दूसरे गेम में वह 14-11 से आगे चल रही थी। यह घटना उस समय हुई जब सिंधु ने सर्व करने में बहुत अधिक समय ले लिया, जिसके बाद उन्हें एक पॉइंट की पेनल्टी का सामना करना पड़ा। अंपायर के कॉल के कारण सिंधु की चेयर अंपायर के साथ गहमा-गहमी हो गई, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिद्वंद्वी सर्व के लिए तैयार नहीं थी, लेकिन अंपायर और रेफरी ने उनकी बात नहीं मानी। इस घटना के बाद सिंधु अपनी लय को जारी नहीं रख सकीं, जिसका फायदा अकाने को मिला और मैच निर्णायक मोड़ पर चला गया और इसी प्रकार सिंधु का अभियान थम गया।

मुख्य रेफरी ने नहीं देखी गलती

मैच के बाद सिंधु अपना गुस्सा काबू नहीं कर पाईं और उन्होंने कहा, अंपायर ने मुझसे कहा कि तुम बहुत समय ले चुकी हो लेकिन विपक्षी खिलाड़ी उस समय तैयार नहीं थी। हालांकि अंपायर ने उसको पॉइंट दे दिया, जो बिल्कुल गलत था। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि उनके हारने का असली कारण यही था। उन्होंने कहा, मैंने इसके बारे में मुख्य रेफरी को बताया लेकिन उन्होंने कहा यह पहले ही हो चुका है। मुख्य रेफरी होने के नाते उन्हें कम से कम एक बार इस गलती को देखना चाहिए था। सोशल मीडिया में बांटी गयी फोटो में सिंधु पुरस्कार वितरण में अनुपस्थित दिखाई दीं और नेटिजन्स अंदाजा लगा रहे हैं कि सिंधु ने समारोह का बहिष्कार कर दिया है।

संस्कार वैली व आर्मी पब्लिक स्कूल चैंपियन

भोपाल। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल द्वारा आयोजित इंटर स्कूल फुटबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स गर्ल्स कैटेगरी खिताबी मुकाबले में संस्कार वैली ने बिल्लाबोंग को 1-0 हराकर एलएनसीटी वर्ल्ड कप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। वहीं बॉयज कैटेगरी के खिताबी मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल ने द संस्कार वैली स्कूल को 2-0 से हराकर चैंपियन बनी। गर्ल्स कैटेगरी में संस्कार वैली की ओर से अनुष्का अग्रवाल ने 15वें मिनट में गोल किया और यही गोल मैच में विजयी गोल साबित हुआ। प्रतियोगिता में बॉयज कैटेगरी में आर्मी पब्लिक स्कूल की ओर से आदित्य ने शानदार 2 गोल किए। पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि स्पोर्ट्स प्रमोटर ग्रुप के चेयरमैन अरुणेश्वर सिंह देव, एलएनसीटी ग्रुप के सेक्रेटरी अनुपम चौकसे, स्कूल प्राचार्य चैतन्य सक्सेना द्वारा किया गया। इस अवसर पर एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल की मैनेजर श्रीमती शोभा चौकसे उपस्थित थीं। गर्ल्स कैटेगरी में मैन ऑफ द टूर्नामेंट सुहाना, संस्कार वैली, मैन ऑफ द फाइनल अनुष्का अग्रवाल संस्कार वैली, बेस्ट डिफेंडर रूपांशी खरे आर्मी पब्लिक स्कूल, बेस्ट गोलकीपर मलक बिल्लाबोंग स्कूल, बेस्ट स्ट्राइकर मिशिका अग्रवाल सरदार पटेल स्कूल रहीं। जबकि बॉयस कैटेगरी में मैन ऑफ द टूर्नामेंट आर्यन सिंह, आर्मी पब्लिक स्कूल, मैन ऑफद फाइनल आदित्य वर्मा आर्मी पब्लिक स्कूल, बेस्ट डिफेंडर फैजान बालभवन स्कूल, बेस्ट गोलकीपर साहिर मीर साहिब, संस्कार वैली, बेस्ट स्ट्राइकर देव असनानी स्कूल रहे।

भारतीय टीम को मिला विश्व चैंपियनशिप का टिकट

हैंडबाल चैंपियनशिप में जीता रजत

लखनऊ। दमदार प्रदर्शन की बदौलत बैंकाक में शनिवार को संपन्न दूसरी एशियाई बालिका यूथ बीच हैंडबाल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के साथ भारतीय लड़कियों ने विश्व यूथ बीच हैंडबाल चैंपियनशिप के लिये भी क्वालीफाई कर लिया वहीं भारत की सीनियर महिला टीम ने इसी दौरान आयोजित आठवीं एशियन महिला बीच हैंडबाल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 25 से 30 अप्रैल तक खेली गयी इस चैंपियनशिप में भारतीय यूथ बालिका बीच हैंडबाल टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 2-0 से हराया था जबकि हांगकांग चाइना को 2-0 से हराया। इसके बाद दूसरे दौर में भारतीय लड़कियों ने मेजबान थाईलैंड ने 2-0 से मात दी और अंतिम लीग मैच में हांगकांग-चाइना को 2-0 से हराया। इस प्रदर्शन के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर रही भारतीय टीम को रजत पदक के साथ विश्व यूथ बीच हैंडबाल चैंपियनशिप का टिकट मिला। भारतीय बालिका यूथ हैंडबाल टीम में अनुष्का अंकुश चव्हाण, जस्सी, संजना कुमारी, चेतना देवी, वंशिका मेहता और ईशा मजूमदार शामिल थी।दूसरी ओर गत 25 से 30 अप्रैल तक बैंकाक में ही आयोजित आठवीं एशियन महिला बीच हैंडबाल चैंपियनशिप में भारत की सीनियर महिला बीच हैंडबाल टीम को कांस्य पदक मिला। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने पहले मैच मे थाईलैंड के हाथों 0-2 से हार गयी। दूसरे मैच में भारत को वियतनाम ने 2-0 से, तीसरे मैच में थाईलैंड ने 2-0 से और चौथे मैच में वियतनाम ने 2-0 से हराया।

विराट कोहली की फिफ्टी से खुश हुए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर ने कहा कि शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ विराट कोहली का अर्धशतक फ्रेंचाइजी के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाने का काम करेगा। गावस्कर ने कहा कि कोहली गेंद को अच्छी तरह से खेल रहे हैं और अपने पुराने अंदाज में नजर आए, जोकि आरसीबी के लिए अच्छी खबर है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले से पहले कुछ पारियों में कोहली बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए थे, जिसके कारण इस मैच में रन बनाने का दबाव उन पर था। मैच के दौरान कोहली ने कुछ अच्छे शॉट खेले। लेकिन पूरी पारी के दौरान वह थोड़े दबाव में दिखे। हालांकि फिफ्टी लगाकर उन्होंने वापसी के संकेत दे दिए हैं। कोहली ने 53 गेंदों में 58 रनों की पारी खेली, जो उनका सीजन का पहला अर्धशतक था। गावस्कर ने बताया, यह एक ऐसी पारी थी, जिसकी उसे जरूरत थी, यह एक ऐसी इनिंग थी, जिसे आरसीबी भी चाहता था। एक बार जब आप जा रहे हों और एक अर्धशतक बना लेते हैं, तो यह शेष मैचों के लिए भी अच्छा होता है। आपका मुख्य खिलाड़ी गेंद को सफाई से मार रहा है। पैर अच्छी तरह से स्थिति में आ रहा है। यह आत्मविश्वास बढ़ाने वाली पारी है। निश्चित रूप से, जहां तक आरसीबी का सवाल है, वे बहुत खुश होंगे। उन्होंने आगे कहा, पूरी तरह से ईमानदारी से कहूं तो मैच की शुरुआत में, उन्हें नंबर 3 पर रखा जाएगा। शाहबाज अच्छी फॉर्म में हैं और वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

बोचम की रोमांचक जीत

बर्लिन। बोरुसिया डॉर्टमुंड के अर्लिंग हालैंड ने शानदार गोल किए, लेकिन टूर्नामेंट की नई टीम बोचम ने बुंदेसलीगा टूर्नामेंट में अंतिम छड़ों में किए गए दो गोल से एक रोमांचक मैच में 4-3 से जीत हासिल की। बोचम ने डॉर्टमुंड के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और मैच खत्म होने से केवल तीन मिनट पहले दो गोल दाग कर रोमांचक मैच जीत लिया। रिपोर्ट के अनुसार, डॉर्टमुंड को बोचम का दूसरा गोल सहना पड़ा, जब असानो ने गेरिट होल्टमैन ने गोलकीपर मारविन हिट्ज को छकाते हुए बेहतरीन गोल किया। हालैंड ने 62वें मिनट में अपनी हैट्रिक गोल के साथ अंतिम क्षणों तक डॉर्टमुंड को एक गोल से आगे रखा, लेकिन बोचम की टीम ने साहस नहीं खोया और उन्होंने वापसी की। साथ ही जोकर जुर्गन लोकाडिया ने 81वें मिनट में स्कोर को बराबर कर दिया, इससे बाद बोचम के मिलोस कैंटोविक ने 86वें मिनट में हैंडबॉल पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर को 4-3 कर दिया।

सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स की फिर होगी इंग्लैंड की टीम में वापसी, तीन साल से है बाहर

लंदन। सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स तीन साल बाद इंग्लैंड की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में वापसी कर सकते हैं क्योंकि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के नव नियुक्त् प्रबंध निदेशक रॉब की को लगता है कि इस बल्लेबाज ने प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के कारण पर्याप्त समय टीम से बाहर रहकर बिता दिया है। हेल्स को 2019 में इंग्लैंड की एकदिवसीय विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था क्योंकि तब गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि उन पर प्रतिबंधित दवा के सेवन के लिये तीन सप्ताह का प्रतिबंध लगा था। इस 33 वर्षीय बल्लेबाज ने इंग्लैंड की तरफ से 11 टेस्ट, 70 वनडे और 60 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हेल्स इंग्लैंड के लिये आखिरी बार 2019 में खेले थे। गार्डियन के अनुसार रॉब की ने कहा, मुझे उस निर्णय में शामिल लोगों से बात करनी होगी, लेकिन मेरे हिसाब से एलेक्स हेल्स चयन के लिये उपलब्ध होंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने पर्याप्त समय बाहर बिता दिया है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें टीम में शामिल कर लिया गया है। यह अलग तरह की बहस है। विश्व भर की टी20 लीग खेलने वाले हेल्स ने बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) की थकान का हवाला देकर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से नाम वापस ले लिया था।

ससेक्स के लिए तीन मैचों में दूसरा दोहरा शतक, भारतीय टीम के लिए दावा मजबूत

पुजारा ने फिर जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा इंग्लैड की काउंटी क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी से धमाल मचा रहे हैं। उन्होंने ससेक्स के लिए खेलते हुए तीन मैचों में दूसरी बार दोहरा शतक जड़ा है। अब तक पुजारा ने ससेक्स के लिए 500 से अधिक रन बनाकर भारतीय टीम में वापसी का दावा मजबूत किया है।

डरहम के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में 203 रन बनाकर दिखा दिया कि एक बार फिर भारतीय बल्लेबाज फॉर्म में आ चुके हैं और भारतीय टीम में जोरदार वापसी के लिए लय हासिल कर चुके हैं। चार दिवसीय मैच में पुजारा 334 गेंद में 203 रन बनाकर आउट हुए। दिन की शुरुआत 107 रन से करने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने अपनी पारी में 24 चौके जड़े। उनके दोहरे शतक की मदद से ससेक्स ने 538 रन बनाकर पहली पारी में 315 रन की बढ़त हासिल कर ली। पुजारा ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 154 रन की भागीदारी की। भारतीय टीम में वापसी की राह देख रहे पुजारा ने पांच पारियों में दो शतक और दो दोहरे शतक जड़े हैं। उन्होंने इस दौरान ससेक्स के साथ अपने पदार्पण मैच में छह और नाबाद 201 रन बनाए थे जिससे टीम ने डर्बीशायर के खिलाफ फालोआन मिलने के बाद मैच ड्रा कराया था। उन्होंने इसके बाद वास्टरशायर के खिलाफ109 और 12 रन की पारियां खेली थी। काउंटी क्रिकेट में जाने से पहले पुजारा बेहद खराब फॉर्म में चल रहे थे, जिसकी वजह से उन्हें भारतीय टीम में से भी बाहर होना पड़ा था। उन्होंने लगभग पिछले दो सालों ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगाया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या चेतेश्वर की यह फॉर्म भारतीय टीम में उनकी वापसी करा पाएगी या नहीं।

अब तक 132 की औसत से बनाए रन

अब तक काउंटी के तीन मैच की पांच पारियों में पुजारा के बल्ले से 132 की औसत से रन निकले हैं। इस सीजन में काउंटी चैंपियनशिप के दूसरे डिविजन में पुजारा ने 531 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक और दो दोहरे शतक शामिल हैं। रन बनाने के मामले में वह शान मसूद के बाद दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। डर्बीशायर के खिलाफ पुजारा ने अपना पहला दोहरा शतक जमाया था और डरहम के खिलाफ दूसरी बार वही कमाल कर दिखाया।

काउंटी क्रिकेट में मोहम्मद अजहरुद्दीन की बराबरी की

काउंटी क्रिकेट में इससे पहले दो दोहरे शतक पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने जड़े थे। 28 साल के बाद पुजारा ने इस उपलब्धि को हासिल करते हुए अजहरुद्दीन की बराबरी की है। लगातार फॉर्म खराब रहने के कारण पुजारा को भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर पुजारा की खराब फॉर्म के कारण उनको टीम इंडिया से बाहर किया गया था। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में दिग्गज बल्लेबाज को जगह नहीं मिली थी।

नटराजन पेश कर सकते हैं टी20 में अपनी दावेदारी

मुम्बई। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि सनराइजर्स हैदराबाद के यॉर्कर विशेषज्ञ टी नटराजन 2022 के टी 20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। गावस्कर ने कहा कि नटराजन इस आईपीएल के डेथ ओवर में यॉर्कर के साथ-साथ अपनी अच्छी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। गावस्कर ने कहा, वह हमेंशा से एक यॉर्कर विशेषज्ञ रहे हैं लेकिन हमने हाल ही के दिनों में देखा है कि वह गेंद को लेट स्विंग कराते हैं जिससे बल्लेबाज परेशान होते हैं। इसलिए नटराजन को लगातार सुधार करते देखना सुखद है।

नटराजन को बेहतर करते देखना अच्छा

उन्होंने कहा, उनको बेहतर करते देखना बहुत अच्छा लगता है क्योंकि कुछ समय के लिए लग रहा था कि भारत ने यॉर्कर विशेषज्ञ को खो दिया। उनको वापसी करते देखना बहुत अच्छा है, वह बहुत बढ़िया गेंदबाजी कर रहे हैं, खास कर डेथ ओवर 16 से लेकर 20 ओवर के बीच। डेथ ओवर में बेहतर गेंदबाजी करने के कारण वह टीम इंडिया के दावेदार हो सकते हैं। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है यह आत्मविश्वास का मामला है। पिछले साल चोटिल होने के कारण खेल में शीर्ष पर नहीं जा पाये। हालांकि अब वह पूरे आत्मविश्वास में भरे हुए हैं।

मुंबई इंडियंस की लगातार हार पर ईशान किशन बोले-कठिन दौर है लेकिन एक दूसरे के साथ खड़े रहना है

नवी मुंबई। आईपीएल में लगातार आठ हार के बाद राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर पहली जीत दर्ज करने वाली मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने कहा कि उनकी टीम के लिये यह कठिन दौर है और इसमें सभी खिलाड़ियों को साथ खड़े रहने की जरूरत है। ईशान ने कहा, हमारे लिये यह आसान समय नहीं है लेकिन हमें एक दूसरे का साथ देना है। अपनी तैयारियों पर फोकस करना है।मुझे खुशी है कि आज हम जीत सके। उन्होंने कहा,क्रिकेट में यह सब होता रहता है। आप विकेट गंवाते हैं , रन बनाते हैं लेकिन आज सभी बल्लेबाज फिनिशर की भूमिका निभाने के जज्बे के साथ उतरे थे। उम्मीद है कि आने वाले समय में हम और मैच जीतेंगे।

स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ सीएम योगी द्वारा श्रावस्ती से किया गया

प्रखर गाजीपुर। शैक्षिक सत्र 2022-23 का आरम्भ 01 अप्रैल, 2022 से होने के साथ ही स्कूल चलो अभियान का शुभारम्भ मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 04 अप्रैल, 2022 को जनपद-श्रावस्ती से किया गया। विभागीय निर्देशानुसार दिनांक 04 अप्रैल, 2022 को कम्पोजिट विद्यालय सिकंदरपुर, षिक्षा क्षेत्र-करण्डा, जनपद-गाजीपुर के प्रांगण में जिलाधिकारी महोदय द्वारा दीप प्रज्जवलित कर एवं 11 बच्चों का नामांकन विद्यालय में करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यक्रम के शुभारम्भ के साथ ही जनपद के समस्त विकासखण्डों के ब्लाक संसाधन केन्द्रों व समस्त परिशदीय विद्यालयों में स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ किया गया। दिनांक 05 अप्रैल, 2022 से दिनांक 30 अप्रैल, 2022 तक समस्त जनपद में स्कूल चलो अभियान रैली, जन चौपाल, डोर-टू-डोर हाउस होल्ड सर्वे का कार्य समस्त शिक्षकों, समस्त ए0आर0पी0, समस्त एस0आर0जी0, शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के साथ-साथ सभी विकासखण्डों के खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गाजीपुर द्वारा जनपद को प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष समस्त विकासखण्डों व विद्यालयों को लक्ष्य का वितरण किया गया। जनपद को प्राप्त लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त विकासखण्ड हेतु एक विशेष अभियान दिवस निर्धारित किया गया तथा उक्त दिवस को जिला समन्वयक, सामुदायिक सहभागिता के साथ स्वयं उक्त विशेष अभियान में पहुँचकर शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यालय प्रबन्ध समिति सदस्यों तथा जनप्रतिनिधिगण से संवाद स्थापित कर अधिक से अधिक नामांकन कराने हेतु अपील की गयी। रैली के माध्यम से 6 से 14 आयु वर्ग के समस्त बच्चों का परिषदीय विद्यालयों में नामांकन हेतु जनसामान्य को जागरूक किया गया। जनचौपाल के माध्यम से अभिभावकों से संवाद स्थापित कर अपने पाल्यों का परिषदीय विद्यालयों में नामांकित कराने हेतु प्रेरित किया गया तथा उनके मन में उत्पन्न प्रश्नों का समाधान किया गया। लक्ष्य प्राप्ति हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों की साप्ताहिक बैठक के साथ ही गूगल मीट के माध्यम से प्रतिदिन के नवीन नामांकन की समीक्षा की गयी। गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त ए0आर0पी0 की बैठक कर उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया तथा विकासखण्डवार समस्त प्रधानाध्यापक/प्रभारी प्रधानाध्यापक तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं ए0आर0पी0 की बैठक गूगल मीट के माध्यम से करते हुए डोर-टू-डोर हाउस होल्ड सर्वे, ईंट भट्ठों, मलिन बस्तियों में पहुँचकर बच्चों का चिन्हांकन विद्यालय में नामांकन कराने हेतु निर्देशित एवं प्रेरित किया गया। अभियान के अन्तिम दिवस दिनांक 30.04.2022 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रातः काल गूगलमीट के माध्यम से समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों, ए0आर0पी0 की बैठक कर विशेष अभियान के रूप में संचालित करने का निर्देश प्रदान किया गया जिसके क्रम में जनपद के समस्त विकासखण्डों में विशेष अभियान चलाकर एक दिवस में 11000 से अधिक छात्र/छात्राओं का नामांकन कराया गया। इस प्रकार दिनांक 04 अप्रैल, 2022 से दिनांक 30 अप्रैल, 2022 तक जनपद में नवीन नामांकन लक्ष्य 62389 के सापेक्ष 62671 नवीन नामांकन किया गया जो लक्ष्य के 100.45 प्रतिशत है। इस अभूतपूर्व लक्ष्य को प्राप्त करते हुए जनपद नवीन नामांकन के मामले में प्रदेश में छठवाँ स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। अप्रैल माह की समाप्ति के साथ ही यह अभियान समाप्त नहीं हुआ है बल्कि आगे भी जारी रहेगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का लक्ष्य अगले 15 दिन में समस्त विकासखण्डों में पूर्व की भांति अभियान संचालित करने तथा लक्ष्य के 125 प्रतिशत तक नामांकन कराने का है, इस सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर खण्ड शिक्षा अधिकारियों को प्रेषित कर दिया गया है।

जिला बदर अपराधी के घर में घुसकर की लड़की की हत्या

प्रखर चंदौली। जिले के सैयदराजा थाने के जिला बदर व गैंगस्टर के अपराधी के खिलाफ जारी एनबीडब्ल्यू के मामले में अपराधी के घर मनराजपुर में दबिश देने पहुंचे सैयदराजा एसएचओ उदय प्रताप सिंह के खिलाफ कार्रवाई के बाद गांव में चल रहा हंगामा थमा। पुलिस की उनकी टीम के खिलाफ मामले में हत्या का मुकदमा भी दर्ज होगा। सैयदराजा थाने के प्रभारी अपनी टीम के साथ कन्हैया यादव के घर पहुंचे थे। घर में कन्हैया के न होने के बाद भी दो लड़कियों के साथ पुलिस की टीम द्वारा की गयी मारपीट व हाथापायी के बाद एक लड़की की मौत होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस बैकफुट पर दिखायी देने लगी। मौके पर भारी संख्या में आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस की कार्रवाई के दौरान लड़की की मौत के बाद हंगामा बढ़ने लगा। इस दौरान धरना प्रदर्शन करने वाले लोग सैयदराजा जमानिया मार्ग को जाम कर दिया और रास्ते से गुजर रही एंबुलेंस और पुलिस की पैंथर गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। इस दौरान पुलिस के सिपाही पैंथर गाड़ी छोड़ कर भाग खड़े हुए तथा पुलिसकर्मी व एक होमगार्ड पर अपना गुस्सा उतारा, जिसमें दोनों जख्मी हो गए। बवाल बढ़ने के बाद मौके पर पहुंची भारी संख्या में पुलिस बल के जवान व आला अफसर किसी तरह मामले को शांत करने में जुटे रहे, लेकिन पुलिस को सफलता तब मिली जब सपा के पूर्व सांसद रामकिशुन यादव व सकलडीहा विधायक प्रभुनारायण सिंह यादव सहित अन्य छोटे-बड़े नेता पहुंचकर दोनों पक्षों की बातचीत कराने का माहौल बनाया। गांव व परिवार के लोग तत्काल सैयदराजा थाना प्रभारी उदय प्रताप को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। इस पर आईजी वाराणसी ने घर परिवार के लोगों के द्वारा दी गयी तहरीर के अनुसार मुकदमा दर्ज करने तथा सैयदराजा थाना प्रभारी को निलंबित करने के बाद ही परिजनों ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए देने पर सहमति दी। साथ ही घायल दूसरी लड़की को इलाज के लिए अस्पताल भेजने की कार्यवाही की गई। सैयदराजा थाना में हत्या के बवाल के मामले में निलंबित हुए उदय प्रताप सिंह के स्थान पर 100 नंबर डायल प्रभारी संतोष कुमार सिंह को सैयदराजा थाना प्रभारी के रूप में तैनात किए गए हैं।इस दौरान मौके पर आईजी के सत्यनारायण, डीएम संजीव सिंह, एसपी अंकुर अग्रवाल सहित कई थानों के थानेदार व पुलिस के आला अफसर मौके पर मौजूद रहे।

कमिश्नर ने राष्ट्रीय राजमार्ग सहित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर मातहतो को दिया निर्देश

प्रखर मिजार्पुर। कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्र ने सोमवार को लालगंज के बस्तरा मोड़ से मध्यप्रदेश के बार्डर तक 49 किलोमीटर की राष्ट्रीय राजमार्ग 135 सी का लगभग सात किलोमीटर वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र की भूमि के कारण सड़क का निर्माण कार्य वन विभाग के द्वारा रोक दिया गया था जिसका कैमूर डीएफओ आशुतोष जायसवाल व पीडब्ल्यूडी एनएचएआई के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर संबंधित विभाग के अधिकारी को बारिश के पहले कार्य कराने का निर्देश दिया है।ईद के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग के छूटे हुए मार्ग पर फिलिंग का कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया है कहा कि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग है जिस पर लोगो का आवागमन होता है।जिसे देखते हुए वन विभाग के साथ एनएचएआई व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ मौके पर पंहुचकर स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को कार्य कराने का निर्देश दिया गया है।वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र से एनओसी के लिए प्रयास किया जा रहा है।इसके बाद बरहुला में बनाए जा रहे 34 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर समयावधि में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य को पूर्ण कराते हुए हर घर जल के माध्यम से ग्राम पंचायतों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।जिस पर कार्यदायी संस्था व जल निगम के अधिकारियों ने जून माह तक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पेयजल की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। अधिशासी अभियन्ता जल निगम ने बताया कि 268 करोड का प्रोजेक्ट है 18 जून 2020 से कार्य प्रारंभ किया गया है जिसे दो वर्ष जून 2022 तक पूर्ण करना है वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से 25 ग्राम पंचायत में कराई जा रही पानी की टंकियों के माध्यम से प्रत्येक घर में टोटी के माध्यम से शुध्द पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इस दौरान सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस,डीएफओ आशुतोष जायसवाल, पीएस त्रिपाठी,डीपीआरओ अरविंद कुमार, अधिशासी अभियन्ता जलनिगम संदीप सिंह,एसडीएम विजय नारायण सिंह, तहसीलदार शशांक शेखर राय,राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि धनंजय पांडेय,सुधीर सिंह,बीडीओ विजय कुमार, नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर जितेंद्र सिंह, एडीओ पंचायत अरुण कुमार मिश्रा, प्रधान संघ अध्यक्ष शिवबाबू सेठ, अरूण मिश्र, वनक्षेत्राधिकारी राम नारायण जैसल, थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, सचिव पियूष दूबे, अमर बहादुर सिंह,मनीष, राजा प्रसाद, राजेन्द्र बिंद अविनाश सिंह, विजयपाल मिश्रा, प्रज्ञान शुक्ल, आदि उपस्थित रहे।

जो दुसरों को यश दे वह है यशोदा : आचार्य धरणीधर

प्रखर सन्तकबीरनगर। विकास खण्ड बघौली बालूशासन में रहे श्रीमद्भागवत कथा में अयोध्या धाम से आए कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा श्रीमद्भागवत के पांचवे दिन की कथा सुनाई गई। जिसमें श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। आचार धरणीधर जी महाराज ने कहा धनवान व्यक्ति वही है जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे। वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती है। पूतना चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि पूतना राक्षसी ने बालकृष्ण को उठा लिया और स्तनपान कराने लगी। श्रीकृष्ण ने स्तनपान करते-करते ही पूतना का वध कर उसका कल्याण किया। माता यशोदा जब भगवान श्री कृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से उठाकर लाती हैं उसके बाद पंचगव्य गाय के गोब, गोमूत्र से भगवान को स्नान कराती है। सभी को गौ माता की सेवा, गायत्री का जाप और गीता का पाठ अवश्य

करना चाहिए।आचार्य धरणीधर जी महाराज ने कहा कि आज कल की युवा पीढ़ी अपने धर्म अपने भगवान को नहीं मानते हैं, लेकिन तुम अपने धर्म को जानना चाहते हो तो पहले अपने धर्म को जानने के लिए गीता, भागवत ,रामायण पढ़ो तो, तुम नहीं तुम्हारी आने वाली पीढ़ी भी संस्कारी हो जाएगी। ब्रजवासियों ने इंद्र की पूजा छोड़कर गिर्राज जी की पूजा शुरू कर दी तो इंद्र ने कुपित होकर ब्रजवासियों पर मूसलाधार बारिश की, तब कृष्ण भगवान ने गिर्राज को अपनी कनिष्ठ अंगुली पर उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की और इंद्र का मान मर्दन किया। तब इंद्र को भगवान की सत्ता का अहसास हुआ और इंद्र ने भगवान से क्षमा मांगी व कहा हे प्रभु मैं भूल गया था की मेरे पास जो कुछ भी है वो सब कुछ आप का ही दिया है। कथा में राधे कृष्ण गोविंद गोपाल राधे राधे भजन ऊपर भक्तों ने खूब आनंद उठाया। इस दौरान मुख्य यजमान ब्रह्मदेव राय,पद्म देव राय,शरद राय ,शिवशंकर राय ,डा.तीर्थ राज राय,फागू राय, विपिन राय, पंकज राय, आचार्य सचिदानंद,अजय धर द्विवेदी,सौरभ राय, बडी संख्या में श्रद्वालुजन मौजूद रहे।

भारतीय साहित्यिक विकास मंच द्वारा काव्यसंध्या

प्रखर दिल्ली। भारतीय साहित्यिक विकास मंच द्वारा आयोजित "काव्य संध्या" दिल्ली ईस्ट ऑफ कैलाश, हाई5 स्टूडियो में सम्पन्न हुई । लगभग 4 घण्टे तक चले इस कार्यक्रम में लगातार गीत, गजल, छंदों की रसधार प्रवाहित होती रही । कार्यक्रम की अध्यक्षता की बेहतरीन शाइर जनाब मनोज बेताब ने, मुख्य अतिथि रहे नोएडा से शायर श्री विनोद प्रकाश गुप्ता 'शलभ' एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर मंचासीन रहे वरिष्ठ कवि श्री प्रेम सागर प्रेम । कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलन से हुई, अपनी मधुर वाणी में माँ शारदे की वंदना की चेतना कपूर ने । कार्यक्रम का संचालन किया सुप्रसिद्ध कवयित्री ममता लड़ीवाल ने । गीतऋषि डॉ कुंअर बेचैन की पहली पूण्य तिथि 29 अप्रैल को थी, उन्हें स्मरण करते हुए श्रद्धाजंलि स्वरूप संचालन में उन्हीं की पंक्तियाँ पढ़ी गईं । गाजियाबाद से आए कवि वैभव शर्मा की ओजपूर्ण रचना ने जहाँ सबमें जोश भर दिया, वहीं फरीदाबाद से पधारे अजय अक्स की बेहतरीन शाइरी ने सभी के हलक से वाह खींच ली, कमर बदरपुरी साहब ने तबियत खराब होने के बावजूद शिरकत की ओर बहुत बेहतरीन शे'र कहे, कुलदीप बरतिया ने मनमोहक काव्यपाठ किया, मधुकर त्यागी, एम. एस. शाहिद, अमित बेनाम, गोपाल गुप्ता, सीमा सागर शर्मा, रचना

निर्मल, भूपिंदर कौर सभी ने बहुत बढ़िया काव्य पाठ किया, चेतना कपूर ने गजल एवं गीत से सभी का मन मोह लिया, विनय विक्रम सिंह ने शुद्ध हिन्दी में लाजवाब रचनाएँ पढ़ीं, हाई5 स्टूडियो के डाइरेक्टर श्री धर्मपाल अरोड़ा ने भी एक भावपूर्ण रचना पढ़ी भारतीय साहित्यिक विकास मंच की महासचिव ममता लड़ीवाल ने जहाँ एक तरफ शानदार संचालन किया वहीं दूसरी तरफ कीर्तिशेष महाकवि डॉ कुंअर बेचैन को श्रद्धांजलि देते हुए गीत पढ़ सभी की आँखें नम कर दीं । संस्था के संयुक्त सचिव सुमित अग्रवाल ने उम्दा गजल एवं गीत पढ़े, संस्था के मार्गदर्शक जगदीश मीणा ने सदा की तरह अपने कैमरे से सभी के चित्र लिए और लाजवाब गजल पढ़ते हुए अपनी मखमली आवाज की बूंदों से सबको सरोबार किया । संस्था के अध्यक्ष गुरचरन मेहता 'रजत' ने भी कार्यक्रम में दो बेहतरीन गजलें पढ़ीं । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनोद प्रकाश गुप्ता ने अपनी शानदार गजलें पढ़ते हुए कुछ अनुभव भी साझा किए, विशिष्ट अतिथि श्री प्रेम सागर प्रेम ने शानदार दोहे, मुक्तक, गजलें पढ़ते हुए कार्यक्रम को ऊँचाई प्रदान की और अध्यक्ष जनाब मनोज बेताब ने इस ऊँचाई को अपनी मेयारी शाइरी से और ऊँचा कर दिया । कार्यक्रम बहुत बेहतरीन एव व्यवस्थित रहा, अंत में संस्था की तरफ से गुरचरन मेहता रजत ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया, जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

घटना के संबंध में थानाध्यक्ष तत्काल प्रभाव से निलंबित

पीडीडीयू नगर। दिन रविवार को ग्राम मनराजपुर थाना सैयदराजा चन्दौली से ये सूचना प्राप्त हुई कि उक्त ग्राम निवासी कन्हैया यादव की बड़ी पुत्री उम्र लगभग 24 वर्ष की मृत्यु हो गई है। जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी चन्दौली तत्पश्चात आयुक्त वाराणसी मण्डल एवं पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी परिक्षेत्र वाराणसी द्वारा घटना स्थल का तत्काल निरीक्षण किया गया। कन्हैया यादव के पुत्र विजय यादव द्वारा थानाध्यक्ष सैयदराजा उदय प्रताप सिंह एवं अन्य पुलिस कर्मियों के विरूद्ध उनके घर में घुसकर उनकी बहन के साथ मारपीट कर मृत्यु कारित किये जाने के सम्बन्ध में एक तहरीर दिया गया।उक्त परिप्रेक्ष्य में पर तत्काल थाना सैयदराजा मु०अ०सं-119/2022 धारा-452/323/304 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया एवं थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थित सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल में बिलख रही कार्यरत कर्मचारी की मां, डाक्टर नहीं कर रहे इलाज

प्रखर आजमगढ़। पीड़ित पक्ष के अनुसार यदि यह कह दिया जाय की आजकल सरकारी अस्पतालों में बहुतेरे डॉक्टर साहब केवल तनख्वाह लेने आते हैं , तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी।मरीज किस हाल में है, क्या स्थिति है, इसकी कोई चिंता नहीं,अगर चिंता है तो सिर्फ डॉक्टर चढ्ढा की तरह गोल्फ खेलने का।अर्थात जब अपने पर पड़े तो मुसीबत है, किंतु असहाय लाचार बेबस का परिजन कोई बीमार हो जाए, और उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में ले जाया जाय तो उसकी उतनी फिक्र नहीं ! ऐसा क्यों? कुछ इसी तरह उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल चक्रपानपुर में अजय सिंह कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। अजय सिंह के मां की तबियत बीते दिनों में ज्यादा खराब हो गई।उनके परिजन माताजी को लेकर सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल आए।उनकी मां को उच्च रक्तचाप की समस्या है।लोगों की एवं पीड़ित अजय सिंह की मानें तो लगभग तीन हजार रुपए की बाहर से जांच करवा चुके हैं किंतु बावजूद इसके अभी तक कोई डॉक्टर मरीज का हाल देखने नहीं आया। इसलिए उनकी हालत में कोई सुधार नहीं है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया की मेडिकल कॉलेज एवं सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टर अपने आवास पर दो सौ से तीन सौ तक प्रति मरीज से शुल्क लेकर मरीज को देखते हैं। लेकिन यहां मैं तीन दिनों से अपनी मां को लेकर भर्ती हूं,मैने अनुनय विनय भी किया की डाक्टर साहब मैं इसी अस्पताल का कर्मचारी हूं, मेरी मां का इलाज कर दीजिए किंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है,हमें वहां से झल्लाकर भागा दिया जाता है। अजय सिंह ने कहा कि यदि मेरी मां की तबियत बिगड़ी या कोई दिक्कत हुई तो मैं जिला चिकित्सा अधिकारी एवं संबंधित अन्य अधिकारी के पास शिकायत करने के लिए बाध्य हो जाऊंगा।

शशिकांत श्रीवास्तव अध्यक्ष श्याम राज यादव महामंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के चुनाव में हुए निर्वाचित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जनपद वाराणसी के द्विवार्षिक अधिवेशन व चुनाव लोक निर्माण विभाग स्थित डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन में संपन्न हुआ,जिसकी अध्यक्षता शशिकान्त श्रीवास्तव ने किया और संचालन विकेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष ई हरि किशोर तिवारी उपस्थित रहे जिन्होंने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि आज भी हम पुराने पेंशन बहाली व्यवस्था पर केन्द्र व राज्य सरकार से शीघ्र आशान्वित हैं हमें खुशी इस बात की है कि पुराने व नये कर्मचारी सब इस मुद्दे पर एक है सरकारों की हठधर्मिता के कारण यह मुद्दा अब चुनावों में मतों में परिवर्तित होने लगा है निश्चित रूप में यह कुंठा घातक साबित होगी। अधिवेशन की अध्यक्षता करते हुए शशिकान्त श्रीवास्तव ने कहा कि वाराणसी में विगत दो वर्षों से कोरोना महामारी के कारण चुनाव

स्थगित रहा आज प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर जनपद का चुनाव सम्पन्न हो रहा है साथ ही विगत वर्षों में पुरानी पेंशन बहाली पर हुये आन्दोलन में जिन जिन संगठन के पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया उन पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्रम तथा माल्यार्पण कर स्वागत अभिनन्दन प्रदेश अध्यक्ष ई हरिकिशोर तिवारी द्वारा किया गया। अधिवेशन को सर्वश्री महिमा दत्त द्विवेदी, दिवाकर द्विवेदी, दीपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, संजय सिंह, पद्मनाभ त्रिवेदी,श्याम राज सिंह यादव, अशोक सिंह, अखिलेश चौहान,पवन चौहान, अतुल कुमार सिंह, अरविन्द दूबे, बृजेश सोनकर, सत्येन्द्र कुमार सिंह, प्रशान्त सोनकर, गीतांजलि राणा, गीता उपाध्याय,ऊषा गौतम,वीना सिंह, रीता भारती, सुभाष सिंह, मनोज कुमार, वाचस्पति मिश्र, आशीष श्रीवास्तव,अमितेश श्रीवास्तव,डा राज शेखर, विवेक कुमार सिंह,मणिकेश श्रीवास्तव, हरेंद्र यादव, कन्हैया यादव,दीपक, राकेश आदि ने सम्बोधित किया। द्विवार्षिक अधिवेशन के पश्चात सर्वसम्मति से महिमा दत्त द्विवेदी निर्वाचन अधिकारी नियुक्त हुए तत्पश्चात 96 संगठनों ने संयुक्त पत्र पर हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव लाया जिसपर आम सहमति उपस्थित संगठनों द्वारा व्यक्त करते हुए करतल ध्वनि से स्वागत किया और चुनाव अधिकारी द्वारा जिलाध्यक्ष पद पर शशिकान्त श्रीवास्तव (सिंचाई विभाग), वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय (विकास भवन), महामंत्री श्याम राज यादव (कोषागार), सम्प्रेक्षक सुधांशु सिंह (उद्यान विभाग) निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यक्रम के अन्त में महामंत्री श्याम राज यादव द्वारा सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सांस्कृतिक संस्थान मंचदूतम व अपना मंच के लोगों के द्वारा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्व विद्यालय के अध्यक्ष शशि प्रकाश चंदन का सम्मान

प्रखर दानगंज वाराणसी। रविवार को मीरापुर बसही में सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान मंचदूतम और अपना मंच अपने लोग की तरफ से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्व विद्यालय के नवनिर्वाचित छात्रसंघ अध्यक्ष शशि प्रकाश चंदन के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया ।जिसमे नाट्य जगत से जुड़े कलाकार भोला सिंह

राठौर, असलम शेख, अजय रोशन ,ज्योति,गोपाल चंद, मुकेश झँझरवाला ,नव्या , कोमल,किशन, करण,शिवम, के साथ कई सामाजिक संगठनों के लोग राजदेव पटेल, उमेश मौर्य ,चंद्रमा यादव,रवि प्रकाश चंदन, विजय पटेल, राजकुमार पटेल,अशोक पटेल,संग्राम सिंह,माया मौर्य जी, कंचन लता जी एवम् ब्राह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय भोजूबीर की संस्थापिका वंदना दीदी , पूनम दीदी, समेत क्षेत्र के कई लोगो ने माल्यार्पण कर मंच से सम्मानित किया। इस अवसर पर मंचदूतम के कलाकारों ने जनगीत एवम् नृत्य प्रस्तुत कर वहां उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरी।

संक्षिप्त खबरें

रामकुमार अध्यक्ष विजय उपाध्यक्ष व साधना चौहान महामंत्री निर्वाचित

प्रखर संतकबीरनगर। जनपद के खलीलाबाद विकासखंड क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायक/ डाटा कम इंट्री ऑपरेटर की एक आवश्यक बैठक खलीलाबाद ब्लाक सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान पंचायत सहायक संघ के ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों के चयन के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई,जहां बैठक में उपस्थित पंचायत सहायकों डाटा/ कम इंट्री ऑपरेटरों द्वारा सर्व सम्मत से राम कुमार अग्रहरी को अध्यक्ष, विजय कुमार चौरसिया को उपाध्यक्ष, साधना चौहान को महामंत्री, पुष्पेंद्र चौरसिया को कोषाध्यक्ष व रवि यादव को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इस दौरान बैठक में उपस्थित सभी सहायकों द्वारा संगठन के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों के निर्वहन का संकल्प लिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष मनोज के ग्राम कुमार अग्रहरी ने कहा कि संगठन के प्रति निष्ठा पूर्वक अपने जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे और पंचायत सहायक/ डाटा कम एंट्री ऑपरेटर के हक की लड़ाई लड़ने में हमेशा आगे रहेंगे। इस दौरान मो० जाबिद, अनुराधा चौरसिया, दीपिका, विजय कनौजिया, रवि यादव, रितेश सिंह, पूजा चौरसिया, माया, वंदना, नेहा गुप्ता, अनीता यादव, नईमा खातून आदि लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस पर मजदूरों को किया गया सम्मानित

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के कुदारन स्थित वीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह महादेव ने अपने खदान पर मजदूरों को अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस के मौके पर माल्यार्पण कर स्वागत किया उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मजदूर इस देश की रीढ़ है मजदूर से ही हमारा और हमारे घर की रोजी रोटी चलता है इसलिए मजदूर हमारे लिए देवता के समान है हमारे देश के विकास में मजदूर अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए मजदूर का सम्मान होना आवश्यक है इस अवसर पर उपस्थित रहने वालों में वीरेंद्र कुमार सिंह राजू उर्फ महादेव, अरविंद कुमार त्रिपाठी, जोखन राम, नेपाली, गिरधारी, मुकेश राजभर, विक्रम पटेल, सीताराम, दसवीं, राजू अहमद, सुनील, गुंडा, संजू अजय, मुन्ना दंगर, मेवा, बिहारी, संजू ,बबलू समेत दर्जनों मजदूर उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर्व पर उमड़ा जन सैलाब, प्रशासन द्वारा व्यवस्था नदारद

प्रखर मिजार्पुर। मंगलवार को मां विंध्यवासिनी के दरबार में अक्षय तृतीया पर्व पर लाखों की संख्या में भीड़ के पहुंचने का अनुमान लगाया गया है । मंगलवार को ईद की छुट्टी होने के कारण भीड़ की संख्या में काफी इजाफा हो सकता है लेकिन मां विंध्यवासिनी के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन की तरफ से कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं । भीड़ बढ़ने पर मंदिर से 200 मीटर सड़क तक लाइन लग जाता है इस भीषण गर्मी और धूप में सड़क पर लाइन लगाने को मजबूर होंगे लेकिन प्रशासन की तरफ से किसी प्रकार की छावनी नहीं की गई । नई बीआईपी पुरानी वीआईपी एवं कोतवाली रोड पर लंबी लाइन लगती है इन रास्तों पर ना ही सड़कों पर मैट लगा हुआ है और ना ही छावनी हुआ है इसके साथ ही अक्षय तृतीया पर्व पर काफी संख्या में भक्त गंगा घाटों पर पहुंचते हैं जिसके लिए क्षेत्र के अखाड़ा घाट, गोदारा घाट ,परशुराम घाट, बाबू घाट ,पक्का घाट एवं दीवान घाट पर भीड़ उमड़ती है लेकिन इन घाटों पर बैरिकेडिंग नहीं किया गया है जिसे स्नान करने वाले श्रद्धालुओं के ऊपर खतरा मंडरा रहा है , भीषण गर्मी के चलते गंगा मुख्य घाटों से काफी दूर चली गयी है जिसके कारण काफी दूर तक रेत पर चलना पड़ता है घाटों पर मैट न लगने से रेत पर नंगे पांव चलने को मजबूर होंगे। विगत रविवार को क्षेत्र के परशुराम घाट पर जौनपुर मछली शहर से आए 18 सदस्यीय परिवार के लोगों में से भाई बहन के डूबने से मौत हो गई जहां पर बैरिकेडिंग के अभाव में यह घटना घटी वही आए दिन विंध्याचल के गंगा घाटों पर डूबने की घटना में इजाफा हो रहा है वही अक्षय तृतीया पर प्रशासन की लापरवाही के चलते कोई बड़ी घटना घट सकती है ।

निर्माणाधीन बाइपास मार्ग पर रखे मिट्टी के ढेर से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

मृतक की पत्नी विदा होकर पहुची घर, तभी पति के दुर्घटना मे मौत की खबर आयी

प्रखर मिजार्पुर। वाराणसी मिजार्पुर मार्ग पर भैसासुर मंदिर के पास सोमवार की भोर लगभग तीन बजे निमार्णाधीन बाइपास मार्ग पर रखे मिट्टी के ढेर मे टकराकर बाइक सवार युवक की दर्दनांक मौत हो गयी । कार्यदायी संस्था डीबीएल कम्पनी द्वारा मार्ग चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है । नरायनपुर चौकी इंचार्ज वीपी सिह ने बताया कि ग्राम अमरा खैरा चक थाना रोहनिया वाराणसी निवासी रामबालक बिंद 28 वर्ष पुत्र स्व किशोरी लाल बिंद अपने बाइक पर सवार होकर किसी शादी समारोह मे शामिल होने जा रहा था।किसकी शादी मे जा रहा है इसकी जानकारी परिजनो को नही थी।ग्राम घाटमपुर थाना अहरौरा मे उसका ससुराल था ।भैसासुर मंदिर के पास निमार्णाधीन बाइपास मार्ग पर रखे मिट्टी के ढेर मे टकराकर गिर गया ।सिर मे गहरा चोट के चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गयी।मृतक पाच भाईयो मे तीसरे नम्बर पर था ।दूध बेचने का कार्य करता था। उसकी शादी लगभग एक वर्ष पूर्व हुआ था ।मृतक का छोटा भाई मृतक के पत्नी का विदाई कराने घाटमपुर रविवार को ही गया था ।विदाई कराकर सोमवार को लगभग एक बजे घर पहुचा तभी नरायनपुर चौकी से दुर्घटना की खबर आयी थी ।दुर्घटना का खबर लगते ही घर मे खुशियों के जगह मातम फैल गया ।नरायनपुर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव को चुनार स्थित मोर्चरी हाउस मे पोस्टमार्टम को भेज दिया।

व्यवसायी को गोली मारकर हुई लूट की घटना का पुलिस ने किया खुलासा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना भांवरकोल क्षेत्रांर्न्तरगत विगत 25 अप्रैल 2022 को गोली मारकर हुयी लुट कि घटना का थाना भांवरकोल पुलिस द्वारा सफल अनावरण करते हुये एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के कब्जे से 4200 रुपए व 1 तमंचा .315 बोर व 2 जिन्दा कारतूस .315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त 1 बुलेट मोटर साइकिल बरामद किया गया है। बताते चले कि आज दिन सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पत्रकार वार्ता कर पुलिस कप्तान ने विगत 25 अप्रैल को भांवरकोल थाना अंतर्गत व्यवसायी को गोली मारकर लगभग ढाई लाख रुपये की हुई लूट की घटना खुलासा किया। उन्होंने बताया कि चार अभियुक्तों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया था। इनमें से एक को आज पकड़ने में कामयाबी मिली है और इसके बाकी तीन साथियों की गिरफ्तारी भी जल्दी ही कर ली जाएगी। आगे उन्होंने बताया कि 2 मई को थानाध्यक्ष वागीश विक्रम सिंह मय हमराहीयान, तलाश वाँछित में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे अण्डर पास सोनाडी मोड़ पर मौजूद थे, कि

तभी जरिये मुखबिर की सूचना पर पंजीकृत मु.अ.सं. 66/2022 धारा 394 भादवि से सम्बन्धित संदेही शुभम राय पुत्र प्रभुनारायण राय ग्राम लौवाडीह थाना करीमुद्दीनपुर गाजीपुर अपने बुलेट मोटर साइकिल नं0 JH 24 B 7075 रंग सफेद से ग्राम पखनपुरा हैदरिया से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के नीचे बने लिंक मार्ग से होकर अपने गाँव लौवाडीह जाने वाला है यदि जल्दी किया जाये तो उसे पकड़ा जा सकता है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुये थानाध्यक्ष द्वारा हमराह पुलिस बल को सूचना से अवगत कराते हुए ब्रीफ कर मौके पर उपरोक्त संदेही अभियुक्त के आने का इन्तजार किया जाने लगा। कुछ समय बाद ग्राम पखनपुरा हैदरिया की तरफ से आ रही एक बुलेट मोटर साइकिल की आवाज सुनाई दी। मोटर साइकिल जब पुलिस वालो के करीब आयी तो उसे टार्च की रोशनी देकर रुकने का इशारा किया गया, तो मोटर साइकिल सवार अचानक पुलिस बल को देखकर अपनी मोटर साइकिल मोड कर भागने का प्रयास किया। लेकिन मुडते समय अचानक रोड पर मोटर साइकिल लेकर गिर पड़ा, जिससे पुलिस टीम द्वारा घेर कर समय 00.45 बजे उसे पकड लिया गया। जिनके कब्जे से मु0अ0सं0 66/2022 धारा 394 भादवि थाना भांवरकोल से सम्बन्धित लूटी गयी सम्पत्ति में से 4200 रुपए व एक तमंचा .315 बोर व दो जिन्दा कारतूस .315 बोर तथा घटना में प्रयुक्त एक अदद सफेद रंग की बुलेट मोटर साइकिल बरामद हुई। कब्जे से प्राप्त अवैध असलहे के सम्बन्ध में थाना भांवरकोल में मु0अ0सं0 71/2022 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया । अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में वागीश विक्रम सिंह थानाध्यक्ष थाना भांवरकोल, उ.नि. ओमकार तिवारी, का. राजेश कुमार भारतीया, का. अम्बुज मिश्र, का. नितेश कुमार, का. आकाश सिंह, म.का. एकता देवी, म.का. ज्योति सरोज प्रथम शामिल रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत 3 परिवारों के बीच मनमुटाव को महिला थाना के मध्यस्थता से कराया गया समाप्त, सभी परिवार खुशी-खुशी एक साथ रहने को हुए राजी

प्रखर संत कबीर नगर । अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर अखिल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, बस्ती राजेश मोदक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर सोनम कुमार के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति अभियान के तहत चलाये जा रहे 'साथ-साथ' कार्यक्रम (टूटते परिवार को जोड़ने की एक पहल) के अंतर्गत आज दिनांक 01.05.2022 को परिवार परामर्श केन्द्र महिला थाना जनपद संतकबीरनगर पर प्रभारी निरीक्षक महिला थाना सरोज शर्मा एवं नियुक्त सदस्य श्री रिफातुल्लाह अंसारी की अध्यक्षता में कुल 03 मामले आये, सभी मामलों में सुलह समझौता करवाया गया । आज दिनांक 01.05.2022 को लंबे समय से पति पत्नी और ससुराली जन में चले आ रहे विवाद 1- प्रथम पक्ष श्रीमती खुशबु चौहान पुत्री रामबचन निवासी जंगल थाना पिपराइच जनपद गोरखपुर व द्वितीय पक्ष अमरनाथ पुत्र मुनीराम निवासी सोठियरा थाना दुधारा जनपद संतकबीरनगर, 2- श्रीमती सायरा खातून पुत्री इमियाज निवासी थवईपार थाना कोतवाली खलीलाबाद व द्वितीय पक्ष कुरबान अली पुत्र मो0 रऊफ निवासी दरुआ थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर, 3- श्रीमती गुड़िया पत्नी सुरेन्द्र यादव निवासी बालूशासन थाना कोतवाली खलीलाबाद व द्वितीय पक्ष सुरेन्द्र यादव पुत्र बृजलाल यादव निवासी बालूशासन थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर । उक्त तीनों परिवारों के मध्य पारिवारिक विवाद के कारण रिश्ता टूटने के कगार पर था, दिए गए शिकायती प्रार्थना पत्र के आधार पर महिला थाना पर बुलाकर दोनों पक्षों के मध्य व्याप्त मनमुटाव को दूर कराते हुए सुलह समझौता कराया गया । आपस में समझौता हो जाने के बाद खुशी खुशी एक साथ पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी लोग अपने-अपने घर को रवाना हुए । इस तरह प्रभारी निरीक्षक महिला थाना व उनकी टीम द्वारा 03 परिवारों को बिखरने से बचाया गया ।

अनुपम कालोनी में बनाये गये पार्क का डीएम ने किया लोकार्पण

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा लोक

निर्माण विभाग की अनुपम कालोनी में बनाये गये पार्क का लोकार्पण किया गया। यह पार्क रोटरी इंटरनेशनल जौनपुर एवं नगर पालिका के सहयोग से सुन्दरीकरण किया गया है। इस पार्क को सतत रूप से देखभाल की जिम्मेदारी रोटरी इंटरनेशनल जौनपुर को दी गयी है। रोटरी इंटरनेशनल आगामी अवधि में इसका पूर्ण देखभाल करेगा। इस पार्क में पॉम ट्री घास फूल तथा जलनिगम के सहयोग से समरसेबल पम्प लगा दिया गया है। इसके अतिरिक्त इस पार्क में बच्चों को खेलने व ओपेन जिम तथा आई लव जौनपुर भी स्थापित किया गया है। मौके पर अपर जिलाधिकारी (भू० - रा०) जौनपुर, अपर जिलाधिकारी (वि० रा०) जौनपुर, उपजिलाधिकारी सदर जानपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जॉनपुर व नोटरी इंटरनेशनल के सदस्य मौजूद रहे।

व्यापार मंडल सिंधोरा का शपथ ग्रहण हुआ सम्पन्न

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। सिंधोरा बाजार उद्योग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को रात 8 बजे सम्पन्न हुआ। जिसमे जिला उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष व महामंत्री ने सिंधोरा

व्यापार मंडल के नव गठित समिति के सभी सदस्यों को व्यापारियों के हित के लिए कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रविशंकर सिंह ने द व्यापारियों के लिए 1 हाई मास्क लाइट, आरओ कूलिंग वाटर देने की घोषणा की। इस दौरान सिंधोरा व्यापार मंडल द्वारा भी चार घोषणाएं की गई । जिसमें हर महीने की 20 तारीख को बंदी व महीने की 25 तारीख को सेल लगाने व दुकान के खुलने और बन्द होने के समय का निर्धारण व आकस्मिक घटना पर बंदी की घोषणा की गई । व्यापार मंडल सिंधोरा की समिति में अध्यक्ष-महेश प्रसाद मोदनवाल, उपाध्यक्ष-प्रमोद कुमार नारायण, महामंत्री-शशिकान्त जायसवाल , कोषाध्यक्ष-दिलीप चौरसिया, संगठनमंत्री-पवन कुमार सेठ, सूचना मंत्री-निशांत जायसवाल, वरिष्ठ सलाहकार-सुनील कुमार जायसवाल, संजय मोदनवाल, सुबाष गुप्ता, रमेश राजभर व सदस्य-जियालाल साहू, वकील सोनकर, अतहर अली ने व्यापार मंडल की शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रविशंकर सिंह , जिला उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष-रामकृष्ण श्रीवास्तव फ्त्र महामंत्री-नंदलाल जायसवाल व जिला मंत्री-रमाकांत जायसवाल व प्रबेश कुमार पाण्डेय, जगतदयाल मोदनवाल, पूर्व चेयरमैन घनश्याम दास गुप्ता, अनिल यादव, सतीश गुप्ता उर्फ पप्पू समेत अनेक व्यापारी नेता उपस्थित रहे।

श्रमिकों को सम्मानित कर समाज को दिया संदेश - मजदूर के बच्चें, मजदूर न बनें

प्रखर प्रयागराज। तेलियरगंज शाखा पर स्वदेश सेवा संस्थान टीम द्वारा दिहाड़ी श्रमिक और दुसरो के घरों में काम करने वाली श्रमिक महिलाओं को साड़ी, गमछा,और स्लीपर बाटकर सम्मानित किया

गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अधिवक्ता आशुतोष श्रीवास्तव और सब रजिस्ट्रार अभिषेक सिंह, मनीष देव व संस्था के अन्य सहयोगियों के उपस्तिथि में यह कार्यक्रम सफल हुआ। आयोजित श्रमिक सम्मान कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के निर्माण के लिए दिन रात एक करके,खून पसीना एक करके देश की तरक्की करने में अपना अमूल्य सहयोग करते हैं। इस मजबूर मजदूरी का मुख्य कारण अशिक्षा हैं। आप सभी से मेरा अनुरोध है कि इनके कठोर परिश्रम का ,इनके मजबूरी का ,इनके गरीबी फायदा न उठाए और इनके आने वाली पीढी के लिए शिक्षा का उचित प्रबंध करे ताकि इनके बच्चे " मजदूर के बच्चे मजदूर " ना बने।

पेयजल संकट निवारण कंट्रोल रूम बना शोपीस

प्रखर मिजार्पुर। विकास खण्ड में पेयजल संकट निवारण कंट्रोल रूम केवल कागज तक ही सिमट कर रह गया हुआ यह कि शनिवार को पटेहरा कला के फारम बस्ती का 25 केवीए ट्रांसफार्मर जल जाने से बस्ती में पेयजल संकट आ गया शनिवार को बस्ती के सुनील कुमार ने कंट्रोल रूम में बैठे हरिश्चन्द से वार्ता कर टैंकर से पानी की मांग किया 6 घण्टे बाद भी पानी नही पहुचने पर बस्ती के लोग चंदा इकठ्ठा करके गला तर करने हेतु किराए पर जनरेटर लाकर किसी प्रकार पानी की ब्यवस्था किए खबर लिखे जाने तक मे पंचायत से टैंकर का पानी बस्ती को उपलब्ध नही मिल सका जबकि बस्ती के लोग क्षेत्रीय विधायक रमाशंकर सिंह पटेल से पैरवी करके किसी प्रकार रविवार को ट्रांसफार्मर लगवाए तब बस्ती में पेयजल संकट से निजात मिली फिर भी चर्चा आम रही कि ब्लाक का पेयजल संकट निवारण कंट्रोल रूम हवा हवाई बन कर रह गया। प्रकरण के बाबत ब्लाक के एडीओ पंचायत श्रीकृष्ण उपाध्याय ने कहा कि तत्काल हरिश्चन्द नियुक्त कंट्रोल रूम की लापरवाही पर कार्यवाही करते हुए दूसरे की नियुक्ति की जाएगी ।

सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के प्रयास से खलीलाबाद विस क्षेत्र में आने वाले 2 दर्जन से अधिक गांवों को मॉडल बनाया जाएगा

मॉडल बनेंगे खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के 2 दर्जन से अधिक गांव, तैयार हो रहा प्लान

प्रखर संतकबीरनगर। नवनिर्वाचित सदर विधायक अंकुर राज तिवारी के प्रयास से खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र में आने वाले 2 दर्जन से अधिक गांवों को मॉडल बनाया जाएगा। इसके लिए गांवों की ड्रोन से विडियोग्राफी कराई जा रही है। सभी गांवों में सड़क, सीवर, नाली, स्कूल, मार्केट, पार्क, खेल मैदान समेत अन्य शहरी सुविधा मुहैया करायी जायेगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कहा मॉडल गांव बनाने के लिए चयनित किया गया है। इन ग्राम पंचायतों में सभी विकास कार्यों और शासन की ओर से संचालित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या आदि के बारे में संबंधित ग्राम

पंचायत सचिव को रंगीन बुकलेट बनाकर तीन दिन के अंदर जमा करने के लिए कहा गया है। इससे योजनाओं की प्रगति की जानकारी हो सकेगी। फिर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए सभी को कार्य करना होगा। 100 दिन में सभी विकास कार्यों व जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाना है। ताकि ग्राम पंचायत को मॉडल गांव बनाया जा सके। इससे अन्य गांव को प्रेरणा मिलेगी। ये मॉडल गांव अन्य गांवों के लिए नमूना होंगे।

इन गांवों को मॉडल गांव बनाया जाएगा- खलीलाबाद ब्लॉक- निहिया खुर्द, उमरी खुर्द, मैनसिर, तामा, नमवा सेमरियावां ब्लॉक- सेहुड़ा, कोइलसा, सोनौरा गौसी, तिलजा, सेमरियावा बेलहर ब्लॉक- बभनी, अमर ढोभा, भेला खर्ग, पकड़ी आराजी, देवकसा पचेठी, औरंगाबाद, जंगल कला, रसहरा, आटा कला !

लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल चलवाने के लिये किसानों के द्वारा अनवरत धरना प्रदर्शन के तीसरे चरण के तीसरे दिन 1 मई को श्रमिक दिवस भी मनाया गया

प्रखर कुशीनगर। भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह के नेतृत्व में जनपद कुशीनगर की लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलवाने के लिये किसानों द्वारा अनवरत धरना प्रदर्शन का आज तीसरे चरण का तीसरा दिन है। आज धरना प्रदर्शन के तीसरे दिन किसानों ने अन्तरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (श्रमिक दिवस) के रूप में भी मनाया। यूनियन के जिलाध्यक्ष श्री सिंह ने इस मौके पर किसानों को सम्बोधित करते हुए अवगत कराया कि वास्तव में देखा जाय तो दुनिया को चलाने के लिये मजदूरों की जरूरत होती है। 01 मई को दुनिया के कई देश मजदूर दिवस मनाते है। अन्तरराष्ट्रीय मजदूर दिवस (लेबर डे) की शुरूआत मई 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर से हुई थी जहाँ पर काम के घंटे आठ करने के लिये हो रहे प्रदर्शन पर गोलियाँ बरसाई गई थी जिसमे कई मजदूर शहीद हो गये थे। धीरे धीरे यह दुनिया के कई देशों में फैल गया और

काम के घंटे 12 के स्थान पर आठ कराने में दुनिया के मजदूरों को सफलता मिली थी। भारत में पहली बार 01 मई 1923 को मजदूर दिवस (लेबर डे) मनाया गया। आज सभी किसानों ने एक मिनट का मौन रखकर काम के घंटे आठ कराने के लिये शहीद मजदूरों को श्रद्धाजंली आर्पित की। आगे श्री सिंह ने किसानों को बताया कि हम लोग लक्ष्मीगंज बन्द चीनी को चलवाने के लिये जो धरना प्रदर्शन कर रहे है वह बेकार नही जायेगा। हम धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार को नंगा करके छोडेगे तथा इस मिल को चलवाकर मजदूरों को उनका काम वापस दिलाने, लक्ष्मीगंज की पहचान वापस लायेंगें, क्योकि इस सरकार में सिर्फ झूठ बोलकर सत्ता हथियाने का जो प्रचलन शुरू हुआ है वह घोर निन्दनीय है। इसका खुलासा देश के कोने कोने में होना चाहिए है। 2014 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले देश के यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी पडरौना में किसानों और आम मतदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा था कि यदि हमारी सरकार बनती है तो पडरौना की बन्द चीनी मिल को 100 दिन में चलवायेंगें मगर आठ वर्ष होने को है उनका 100 दिन पूरा नही हुआ। विधानसभा 2022 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लक्ष्मीगंज में किसानों और मतदाताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार बनाओं सरकार बनने के बाद लक्ष्मीगंज बन्द चीनी को चलवाने की घोषणा हो जायेगा। परन्तु जब लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल को चलाने के लिये पिछले पाँच वर्षों से जारी आन्दोलन के उपरांत भी अभी तक सभी चीनी मिल को छोडिये, एक लक्ष्मीगंज बन्द चीनी मिल तक चलाने का कार्य सरकार प्रारम्भ नही करा पायी? भारतीय किसान यूनियन (अ) के जिलाध्यक्ष रामचन्द्र सिंह ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि, जब तक सरकार मिल को चलवाने की घोषणा करके कार्य प्रारम्भ नही करा देती है हमारा अनवरत धरना प्रदर्शन ऐसे ही चलता रहेगा। इस मौके पर चाँदबली, खुशी प्रसाद, टुनटुन मौर्या, शाहिद अंसारी, बलिराम, पंकज, शहजाद, आदित्य कुमार मौर्य और मनोज मौर्या के साथ साथ अन्य किसान मौजूद रहे।

पीएम किसान सम्मान निधी का शोशल आडिट का कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय बबुरा द्वितीय में आज पहला दिन का कार्य सम्पन्न

प्रखर मिजार्पुर। सोशल ऑडिट का कार्यक्रम पीएम किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बबुरा द्वितीय विद्यालय में जिला से आये हुए शोशल आडिट टीम के द्वारा दिनांक 01 मई से लेकर 15 मई तक किया जा रहा है जिसमें लेखपाल, कृषि विभाग और जिला कार्यालय से पूरी टीम लगाई गयी है इस कार्यक्रम में पात्र किसान, अपात्र किसान तथा मृतक किसानों की पूरी सूची तैयार करके उत्तर प्रदेश शासन को पूरी रिपोर्ट शोशल आडिट के माध्यम से सम्पन्न कराई जायेगी बातचीत के दौरान प्राथमिक विद्यालय बबुरा द्वितीय पर शोशल आडिट करने आये जिला कार्यालय की टीम से बातचीत के दौरान जानकारी प्राप्त हुई कि पी एम किसान सम्मान निधी का लाभ पात्र किसान के साथ साथ अपात्र किसान भी उठा रहे हैं इस शोशल आडिट के रिपोर्ट के माध्यम से शासन द्वारा केवल पात्र किसानों को ही यह लाभ प्रदान किया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

पड़रक्षाकोट में घटिया सामाग्री का उपयोग कर बन रही इंटरलाकिंग सड़क

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने जताया विरोध

प्रखर पतरही जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में अपराधियों में दहशत का माहौल है तो वहीं भ्रष्टाचारी भ्रष्टाचार करने से कतरा रहे हैं, लेकिन कुछ भ्रष्टाचारी ऐसे भी हैं जिन्हें बुल्डोजर बाबा का खौफ नहीं है। कुछ ऐसा ही मामला जिले के चंदवक थाना अंतर्गत पतरहीं पुलिस चौकी क्षेत्र में सामने आया है। ग्राम पंचायत पड़रक्षाकोट के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह गुड्डू ने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विधायक निधि से इंटरलाकिंग सड़क बन रही है लेकिन उसमें भी ठेकेदार द्वारा घटिया सामाग्री का उपयोग किया जा रहा है। इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से की गई लेकिन उसके बाद भी काम नहीं रूका। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत पड़रक्षाकोट के बड़वा में वनसत्ती पुल पिच रोड से प्राथमिक विद्यालय बड़वा तक इंटरलॉकिंग का कार्य ठीक से नहीं किया जा रहा है. फिलहाल अब प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है यह तो वक्त ही बताएगा.

फाइलेरिया ग्रसित मरीजों को वितरित किया गया किट

प्रखर पिंडरा वाराणसी। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को फाइलेरिया से ग्रसित 30 मरीजो को किट का वितरण कर उन्हें फाइलेरिया के बाबत जागरूक करने के साथ उसके बचाव पर गोष्ठी हुई। गोष्ठी व वितरण के दौरान चिकित्सक डॉ संतोष सिंह ने कहाकि फाइलेरिया एक बीमारी है लेकिन जानलेवा नही। इसे सावधानी और सुरक्षा बरतने पर जीवन भर आसानी से मरीज जी सकते है। बस इसके प्रति जागरूकता की जरूरत है। वितरण के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अरुण सिंह व विशिष्ट अतिथि प्रशिक्षु एसडीएम/ बीडीओ विकास चंद रहे। इस दौरान 30 मरीजो को किट के प्रयोग और फाइलेरिया तथा मच्छर जनित रोगों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष सिंह, चीफ फार्मासिस्ट गिरीश दुबे समेत अनेक स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

देर रात निमंत्रण से लौट रहे बाइक सवार युवक की खंभे से टकराकर हुई मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के रामपुर ढबही निवासी अभिषेक कुमार सिंह उम्र 28 वर्ष पुत्र कमला सिंह की गांव के पास बने प्राथमिक विद्यालय के पास नीलगाय बचाने के चक्कर में खंभे से टकराकर हुई मौत, जानकारी के अनुसार अभिषेक चुनार स्थित किसी परिचित के यहां निमंत्रण में गया हुआ था। निमंत्रण से खाली हो कर देर रात घर लौट रहा था ,तभी गांव के पास बने प्राथमिक विद्यालय के पास अचानक से सड़क पर नीलगाय आ गया, जिसे बचाने के चक्कर में खंभे से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया । परिजनों ने पुलिस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया, युवक अभिषेक सिंह अहरौरा स्थित विद्युत सब स्टेशन पर अप्रेंटिस कर रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक के सर सहित शरीर के अन्य भागों में गंभीर चोट आई थी, पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, वहीं अभिषेक की मौत से गांव में कोहराम मचा हुआ है।

चक्रपानपुर में चोरों के हौसले बुलंद,वार्ड ब्वाय शशांक के रूम से ही चुरा ले गए रेडमी नोट नाइन प्रो मोबाइल

प्रखर आजमगढ़। हर बार की तरह एक बार पुनः चोर अपने प्रयास में कामयाब हो गए।जी हां आजमगढ़ जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल चक्रपानपुर के वार्ड ब्वाय शशांक पाण्डेय पुत्र श्री रामकृपाल पाण्डेय की मोबाइल चोरी करने में चोर सफल हो गए। बता दें की शशांक पाण्डेय चक्रपानपुर स्थित श्री जिउत पाण्डेय जी के मकान में किराए पर रहते हैं। उन्होंने बताया की उनकी शाओमी रेड़मी नोट 9 प्रो 6जीबी 128जीबी इंटरनल स्टोरेज क्षमता युक्त मोबाइल चोरी हो गई।जो अभी तक नहीं मिली है। बीते कुछ ही दिन पहले चोरों ने उनके ही बाइक पर हाथ साफ किया था, जिसको काफी मशक्कत के बाद पोखरे के पास से बरामद किया गया। उन्होंने कहा की आखिर चोर हमें ही क्यों टारगेट कर रहा है,इसके पीछे क्या राज है, इससे पर्दा उठना चाहिए।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं